AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित

भू अभिलेख, राजस्व विभाग

समूह 2 उपसमूह 4
पटवारी
संयुक्त भर्ती परीक्षा 2023

स्टडी गाइड बुक

वि.सं. 23-11-2022 अनुसार
3555 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती

सहायक समपरीक्षक, सहायक जन सम्पर्क अधिकारी, सहायक नगर निवेक्षक, सहायक राजस्व-अधिकारी, सहायक अग्निशमन अधिकारी एवं समकक्ष पदों के लिए समान रूप से उपयोगी

नवीनतम् ऑनलाइन परीक्षा पैटर्न के अनुसार

अ.	सामान्य विज्ञान, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य गणित	अंक 100
ख.	सामान्य ज्ञान एवं अभिरुचि, सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान, सामान्य तार्किक योग्यता, सामान्य प्रबन्धन	अंक 100

Best गाइड बुक!

परीक्षा की
सबसे तेज, सटीक एवं सम्पूर्ण तैयारी
इस पुस्तक से संभव !

विशेषताएँ

- ✓ सम्पूर्ण नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार थ्योरी
- ✓ अध्यायवार महत्वपूर्ण प्रश्न
- ✓ 1 प्रैक्टिस सेट
- ✓ One-Liner करेंट अफेयर्स (Free PDF)

Code	Price	Pages	ISBN
CB1184	₹499	546	978-93-5703-107-3

विषय-सूची

Exam Information, Preparation Strategy and Current Affairs

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** vii

⊙ समसामयिकी (करंट अफेयर्स) ix

[अगले पृष्ठ पर दिये गये **Student's Corner** में **QR Code/Link** के माध्यम से **Free PDF** को **Download** करें]

⊙ मध्य प्रदेश पटवारी का परीक्षा पैटर्न xi

सामान्य ज्ञान एवं अभिरूचि 1-59

1. भारत का इतिहास 1–16
2. भूगोल 17–30
3. भारतीय राजव्यवस्था 31–43
4. विविध 44–59

मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान 60-161

1. मध्य प्रदेश : एक दृष्टि में 60-64
2. मध्य प्रदेश : ऐतिहासिक परिदृश्य 65-73
3. मध्य प्रदेश : कला एवं संस्कृति 74-78
4. मध्य प्रदेश : भाषा एवं साहित्य 79-83
5. मध्य प्रदेश : अनुसूचित जातियाँ एवं जनजातियाँ 84-86
6. मध्य प्रदेश : भौगोलिक परिदृश्य 87-92
7. मध्य प्रदेश : जलवायु 93-95
8. मध्य प्रदेश : कृषि एवं पशुपालन 96-115
9. मध्य प्रदेश : अपवाह तन्त्र एवं नदियाँ 116-119
10. मध्य प्रदेश : राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य 120-123
11. मध्य प्रदेश : खनिज सम्पदा 124-127
12. मध्य प्रदेश : ऊर्जा संसाधन 128-131
13. मध्य प्रदेश : जनगणना–2011 132-136
14. मध्य प्रदेश : पर्यटन 137-140
15. मध्य प्रदेश : खेलकूद 141-144
16. मध्य प्रदेश : प्रमुख व्यक्तित्व 145-149
17. मध्य प्रदेश : प्रमुख आयोग 150-151
18. मध्य प्रदेश : पंचवर्षीय योजनाएँ 152-154
19. मध्य प्रदेश : विविध 155-157
20. मध्य प्रदेश बजट 2022-23 158-159
21. मध्य प्रदेश करेन्ट अफेयर्स 160-161

सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान	162-190

सामान्य तार्किक योग्यता	1-56
1. शृंखला परीक्षण	1–3
2. अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	4–6
3. रक्त सम्बन्ध	7–9
4. कोडिंग-डिकोडिंग	10–14
5. दिशा परीक्षण	15–18
6. समस्या को सुलझाना	19–24
7. क्रम व्यवस्था परीक्षण	25–27
8. इनपुट-आउटपुट	28–32
9. न्याय संगत	33–36
10. तार्किक तर्कशक्ति	37–48
11. आँकड़ों की पर्याप्तता	49–52
12. गणितीय योग्यता परीक्षण	53–56

सामान्य गणित	57-126
1. संख्या पद्धति	57–59
2. ल.स.प. एवं म.स.प.	60–62
3. वर्ग एवं वर्गमूल	63–65
4. घातांक एवं करणी	66–68
5. भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ	69–71
6. सरलीकरण	72–73
7. औसत	74–76
8. अनुपात एवं समानुपात	77–79
9. आयु सम्बन्धी प्रश्न	80–81
10. प्रतिशतता	82–84
11. लाभ-हानि एवं बट्टा	85–87
12. साझेदारी	88–90
13. साधारण ब्याज	91–92
14. चक्रवृद्धि ब्याज	93–95
15. समय और कार्य	96–98
16. समय, चाल एवं दूरी	99–101
17. क्षेत्रमिति	102–106
18. ज्यामिति	107–111

19. त्रिकोणमिति 112–116
20. समीकरण 117–120
21. बीजगणित 121–123
22. क्रमचय-संचय तथा प्रायिकता 124–126

सामान्य विज्ञान 127-216

1. भौतिक विज्ञान 127–156
2. रसायन विज्ञान 157–182
3. जीव विज्ञान 183–216

सामान्य हिन्दी 217-268

1. वर्ण विचार 217–219
2. शब्द-विचार : तत्सम-तद्भव, देशज-विदेशज शब्द आदि 220–221
3. वर्तनी 222–223
4. संधि 224–230
5. समास 231–234
6. लिंग एवं कारक 235–237
7. उपसर्ग-प्रत्यय 238–241
8. समश्रुत शब्द 242–243
9. पर्यायवाची शब्द 244–246
10. विलोम शब्द 247–248
11. वाक्यांशों के लिए एक शब्द 249–250
12. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 251–252
13. वाक्यगत अशुद्धियाँ 253–255
14. रिक्त स्थानों की पूर्ति 256
15. अलंकार, रस एवं छन्द 256-265
16. विविध 266-268

General English 269-331

1. Articles 269–274
2. Pronoun 275–278
3. Adjective and Interchange of Degrees 279–282
4. Adverb 283–284
5. Preposition 285–288
6. Conjunction 289–290
7. Correct form of Verb 291–293

8. **Modals Auxiliaries** 294–295
9. **Subject Verb Agreement** 296–298
10. **Word Formation and Sentence Structure** 299–302
11. **Punctuation** 303–306
12. **Active and Passive** 307–312
13. **Narration** 313–317
14. **Vocabulary : Antonyms, Synonyms, One Word Substitution, Idioms and Phrases and Spellings** 318–328
15. **Rearrangement of Jumbled Sentences** 329–330

सामान्य प्रबन्धन **331-358**

प्रैक्टिस सेट

☞ **प्रैक्टिस सेट–1** **1–21**

अध्याय
1

भारत का इतिहास

1. परिचय
(Introduction)

बीती हुई घटनाओं के अध्ययन को इतिहास कहते हैं। इससे हमें उन प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलती है जिन्होंने मानव को अपने वातावरण पर विजय प्राप्त करने की तथा आज की सभ्यता का विकास करने की क्षमता दी। इतिहास का शाब्दिक अर्थ है, 'ऐसा हुआ'। अंग्रेजी में इसका अनुवाद History (हिस्ट्री) किया जाता है।

2. पाषाण काल या प्रागैतिहासिक काल
(Stone Age or Prehistoric Time)

उपकरणों की भिन्नता के आधार पर संपूर्ण पाषाण युगीन संस्कृति को तीन मुख्य चरणों में विभाजित किया गया। ये हैं–पुरापाषाण काल, मध्य पाषाण काल और नवपाषाण काल।

पाषाण काल को भी तीन कालों में विभाजित किया जाता है–

I. पुरापाषाण काल

II. मध्यपाषाण काल–मनुष्य पशुपालक बना।

III. नवपाषाण काल–स्थायी निवास, कृषि कार्य मृद्भाण्ड का प्रचलन।

जबकि पुरा पाषाण काल को पुनः तीन भागों में विभाजित किया गया है–

(i) पूर्व पुरापाषाण काल–हस्तकुठार, खंडक, विदारिणी,

(ii) मध्य पुरापाषाण काल–फलक उपकरण तथा

(iii) उच्च पुरापाषाण काल–तक्षिणी एवं खुरचनी उपकरण।

3. सिन्धु घाटी सभ्यता (2350 ई. पू.–1750 ई. पू.)
(Indus Valley Civilization)

- **सर जॉन मार्शल**, वर्ष 1902 से 1928 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक थे। इनके द्वारा ही हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई की देख–रेख की गयी। वर्ष 1920 में मार्शल ने हड़प्पा में तथा वर्ष 1922 में मोहनजोदड़ो में खुदाई आरम्भ की। इन्होंने ही वर्ष 1924 में सिन्धु घाटी में नई सभ्यता की खोज की घोषणा की थी। 'ऐलेक्जेण्डर कनिंघम' को भारतीय पुरातत्व का जनक कहा जाता है।
- सिन्धु सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यता थी जिसका विस्तार लगभग 13 लाख वर्ग किमी. में था। जिसका अन्तिम पूर्वी बिन्दु आलगीर पुर मेरठ, अन्तिम पश्चिमी बिन्दु सुत्कना डोर बलूचिस्तान, अन्तिम उत्तरी बिन्दु माण्डा जम्मू–कश्मीर तथा अन्तिम दक्षिणी बिन्दु दायमाबाद महाराष्ट्र थे।

हड़प्पाकालीन स्थल (Harrapan Sites)

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	वर्तमान स्थिति
हड़प्पा	श्री दयाराम साहनी	1921	पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922	पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में
सुत्कागेंडोर	ऑरल स्टाइन	1927	बलूचिस्तान
सुतकाकोह	जॉर्ज वेल्स	1962	बलूचिस्तान
बालाकोट	जॉर्ज वेल्स	1962	बलूचिस्तान
अमरी	जे. एम. कजाक	1959-61	सिन्ध
लोथल	एस. एम. तलवार, एस. आर. राव	1953-56	अहमदाबाद (गुजरात)
कालीबंगा	बी. बी. लाल एवं वी. के. थापर	1961	गंगानगर (राजस्थान)
बनवाली	रविन्द्र सिंह विष्ट	1973-74	हिसार (हरियाणा)
कोटदीजी	फजल अहमद खाँ	1955-57	सिन्ध प्रांत (पाकिस्तान)
देसलपुर	पी. पी. पाण्डेय और एम. ए. ढाके	–	भुज जिला (गुजरात)
सुरकोटदा	जगपति जोशी	1964	कच्छ (गुजरात)
रंगपुर	माधवस्वरूप वत्स	1931	अहमदाबाद (गुजरात)
राखीगढ़ी	सूरज भान	1969	हिसार (हरियाणा)
चन्हूदड़ो	गोपाल मजूमदार व अर्नेस्ट मैके	1931	सिंध (पाकिस्तान)
माण्डी	—	2000	मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)

स्थल एवं नदी तट (Sites and River Banks)

स्थल	नदी तट
1. हड़प्पा	रावी
2. मोहनजोदड़ो	सिन्धु
3. लोथल	भोगवा
4. कालीबंगा	घग्घर
5. सुतकागेंडोर	दाश्क
6. चन्हूदड़ो	सिन्धु
7. बनवाली	घग्घर
8. सुरकोटदा	सरस्वती
9. मंडा	चिनाब
10. आलमगीरपुर	हिंडन
11. राखीगढ़ी	घग्घर
12. रोपड़	सतलज

4. वैदिक सभ्यता एवं संस्कृति (Vedic Civilization & Culture)

वैदिक सभ्यता–हड़प्पा सभ्यता के पतन के बाद भारत में एक नई सभ्यता का विकास हुआ, जिसे वैदिक सभ्यता का नाम दिया गया। इनकी जानकारी हमें वेदों से प्राप्त होती है। यह सभ्यता भी हड़प्पा सभ्यता के क्षेत्र में ही जन्मी और धीरे–धीरे गंगा–यमुना के मैदानों में विकसित होती चली गई।

5. वैदिक साहित्य (Vedic Literature)

वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के तट पर विकसित हुई।

वेद शब्द 'विद' से बना है, जिसका अर्थ **ज्ञान अथवा बुद्धिमत्ता** से होता है। इन्हें ''श्रुति'' भी कहा जाता है। वेद 04 प्रकार के हैं—

(i) ऋग्वेद, (ii) सामवेद, (iii) यजुर्वेद तथा (iv) अथर्ववेद।

ऋग्वेद, सामवेद तथा यजुर्वेद को ''वेदात्रयी'' कहते हैं।

हिन्दुओं के **छः विख्यात** दार्शनिक सम्प्रदाय भी वैदिक साहित्य में आते हैं। ये छः प्रणालियाँ निम्नलिखित हैं—

प्रवर्तक	दर्शन
गौतम	न्याय प्रणाली
कपिल	सांख्य दर्शन
कणाद	वैशेषिक
पतंजलि	योगदर्शन
जैमिनी	पूर्व मीमांसा
बादरायण	उत्तर मीमांसा
चार्वाक	चार्वाक

ऋग्वैदिक देवी–देवता : एक दृष्टि में

वरुण	सकल ब्रह्माण्ड का अधिपति, सर्वव्यापी, सर्वज्ञ, नियामक, प्रजारक्षक
इन्द्र (पुरन्दर)	आँधी, तूफान, बिजली और वर्षा का देवता
विष्णु	संसार का संरक्षक
ऊषा	सूर्योदय–पूर्व की अवस्था की द्योतक
अदिति	आर्यों की सार्वभौम भावना की देवी
सोम	वनस्पतियों, औषधियों के अधिपति

6. धार्मिक आन्दोलन (Religious Movements)

ब्राह्मणवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में छठी शताब्दी ई. पू. दो सम्प्रदायों का उदय हुआ।

यथा–जैन धर्म तथा बौद्ध धर्म।

I. जैन धर्म (Jainism)

जैन धर्म की स्थापना ऋषभदेव ने की जो जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर माने जाते हैं। जैनधर्म की स्थापना का वास्तविक श्रेय 24वें तीर्थंकर वर्धमान महावीर को जाता है।

- 24वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम (वाज्जिसंघ का गणतन्त्र) में 540 ई. पू. में हुआ था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था।
- महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ तथा माता त्रिशला, जो लिच्छिवी के राजा चेटक की बहन थीं।

जैन सभाएँ (Jain Councils)

जैनसभा	वर्ष	शासक	अध्यक्ष
प्रथम (पाटलिपुत्र)	300 ई. पू.	चंद्रगुप्त मौर्य	स्थूल भद्रबाहु
द्वितीय (बल्लभी) गुजरात	512 ई.	ध्रुवसेन	देवार्द्ध क्षमाश्रवण

II. बौद्ध धर्म (Buddhism)

गौतम बुद्ध को बौद्ध धर्म का प्रवर्तक माना जाता है। ये महावीर के समकालीन थे। ज्ञान प्राप्त करने के बाद इन्हें बुद्ध कहा जाने लगा था।

महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय (Biography of Buddha)

जन्म	:	563 ई. पू.
जन्म स्थान	:	लुम्बिनी (कपिलवस्तु) इस स्थान को अशोक के रुम्मिनदेई स्तम्भ से अंकित किया गया है।
पिता	:	शुद्धोधन (शाक्यों के राजा कपिलवस्तु के शासक)
माता	:	महामाया देवी
बचपन का नाम	:	सिद्धार्थ
पालन–पोषण	:	गौतमी प्रजापति (मौसी)
विवाह अवस्था	:	यशोधरा (कोलिय गणराज्य की राजकुमारी)
पुत्र	:	राहुल
मृत्यु	:	काल 483 ई.पू.
स्थान	:	कुशीनगर

बौद्ध धर्म में बुद्ध की मृत्यु को महापरिनिर्वाण कहा गया है।

बौद्ध संगीतियाँ (Buddhist Councils)

बौद्ध संगीति	स्थान	वर्ष	शासक	अध्यक्ष
प्रथम	सप्तपर्णी गुफा (राजगृह)	483 ई. पू.	अजातशत्रु	महकस्यप
द्वितीय	वैशाली	383 ई. पू.	कालाशोक	सबकामी
तृतीय	पाटलिपुत्र	250 ई. पू.	अशोक	मोगलिपुत्र तिस्स
चतुर्थ	कुण्डलवन (कश्मीर)	72 ई.	कनिष्क	वसुमित्र (अध्यक्ष) अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

7. मगध का उत्थान (Rise of Magadh)

छठी शताब्दी ई. पू. में महाजनपदों में उत्तर भारत में मगध, काशी, कौशल और अंग प्रमुख शक्तिशाली राज्य थे, परन्तु मगध महाजनपद अपने समक्ष राज्यों से कहीं अधिक शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहा। आरम्भिक मगध के प्रमुख वंशों का विवरण निम्न प्रकार है–

I. हर्यक वंश (Haryank Dynasty)

हर्यक वंश का काल 544 ई. पू. से 412 ई. पू. तक माना जाता है। इस वंश का वास्तविक संस्थापक बिम्बिसार, जबकि नागदशक अंतिम शासक था।

(i) बिम्बिसार (श्रोणिक) Bimbisara (Shronik)

- बिम्बिसार (558-491 ई. पू.) हर्यक वंश का संस्थापक था। इनकी राजधानी **गिरिब्रज (राजगृह)** थी।
- बिम्बिसार ने अपने राजवैध 'जीवक' को अवन्ति नरेश चण्डप्रद्योत की पीलिया (पाण्डु) नामक बीमारी को ठीक करने के लिए भेजा था।
- महावंश में कहा गया है कि बिम्बिसार का तिलक 15 वर्ष की आयु में ही उनके पिता के द्वारा कर दिया गया था।

(ii) अजातशत्रु (कुणिक/अशोक चंड) Ajatashatru (Kunik/ Ashok Chand)

- बिम्बिसार के पुत्र अजातशत्रु (492-460 ई. पू.) ने उसकी हत्या कर सिंहासन प्राप्त किया।
- अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र उदायिन ने 461 ई. पू. की थी।
- अजातशत्रु ने अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित की।

(iii) उदायिन (Udayin)

- उदायिन ने गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर स्थित पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनाया। **पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना)** की स्थापना का श्रेय उदायिन को जाता है।
- बौद्ध ग्रन्थों के अनुसार, उदायिन के तीन पुत्र–अनिरुद्ध, मंडक और नागदशक थे। इस वंश के अंतिम शासक नागदशक के सेनापति शिशुनाग ने 412 ई. पू. में शिशुनाग वंश की स्थापना की।

II. शिशुनाग वंश (Shishunag Dynasty)

- हर्यंक वंश के एक सेनापति शिशुनाग ने उदायिन के पुत्र नागदशक को हटाकर मगध के सिंहासन पर अधिकार करके शिशुनाग वंश की स्थापना की।
- शिशुनाग के शासन काल में राजधानी **पाटलिपुत्र** से बदलकर **वैशाली** ले जायी गयी।
- शिशुनाग वंश का अंतिम शासक नंदिवर्धन था।

III. नन्द वंश (Nanda Dynasty)

- इस वंश का संस्थापक **महापद्मनन्द** को माना जाता है।
- पुराणों में महापद्मनन्द को **सर्वक्षत्रान्तक** कहा गया है।
- नन्द वंश का अन्तिम शासक **धनानन्द** था। इसी के शासन काल में **सिकन्दर** ने भारत पर आक्रमण किया। धनानन्द की चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से हत्या कर **मौर्य वंश** की स्थापना की।

8. सिकन्दर का आक्रमण (Alexander's Invasion)

- मेसीडोनिया (मकदूनिया) के शासक फिलिप द्वितीय के पुत्र सिकन्दर ने 326 ई. पू. में सिन्धु नदी पार करके भारत की धरती पर कदम रखा तथा झेलम नदी के तट पर राजा पोरस के साथ उसने 'वितस्ता का युद्ध' लड़ा।
- वितस्ता के युद्ध में पोरस की विशाल सेना पराजित हुई और पोरस को बन्दी बना लिया गया। सिकन्दर भारत में लगभग 19 महीने तक रहा। 323 ई. पू. में बेबीलोन पहुँचकर सिकन्दर का निधन हो गया।

9. मौर्य साम्राज्य (322-184 ई.पू.) (Mauryan Empire)

25 वर्ष की अवस्था में चन्द्रगुप्त मौर्य तथा विष्णुगुप्त ने अपनी योग्यता तथा कूटनीति से अन्तिम नन्द शासक धनानंद के विशाल साम्राज्य को **ध्वस्त करके मौर्य वंश की आधारशिला रखी।**

I. चन्द्रगुप्त मौर्य (Chandragupta Maurya) (321-297 ई.पू.)

305 ई.पू. में सीरिया के यूनानी शासक सेल्यूकस को पराजित किया तथा उसने सेल्यूकस की पुत्री **हेलेन** से विवाह किया। **मेगस्थनीज ने मौर्य प्रशासन पर 'इण्डिका'** नामक पुस्तक लिखी। इण्डिका में मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को 7 भागों में विभाजित किया था। चन्द्रगुप्त ने भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा ली तथा 298 ई. पू. उसकी मृत्यु हो गई।

चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरु कौटिल्य थे जिन्होंने प्रसिद्ध व महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ अर्थशास्त्र की रचना की।

- यूनानी लेखकों ने चन्द्रगुप्त मौर्य को सन्ड्रोकोटस या एन्ड्रोकोटस कहा है।
- विशाखदत्त ने अपनी पुस्तक मुद्राराक्षस में चन्द्रगुप्त को वृषल या निम्न कुल का कहा था।

II. बिन्दुसार (Bindusaar) (297-272 ई.पू.)

यह चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी पुत्र था। उसे **'अमित्रघात'** भी कहा जाता है। अभित्रचेटस या अमितकेडीज भी कहा गया है।

- बिन्दुसार के शासनकाल के अन्तिम दिनों में तक्षशिला में विद्रोह हुआ था।
- बिन्दुसार अपने शासन के अन्तिम दिनों में आजीवक भद्रसार के प्रभाव में आकर आजीवक बन गया था।

III. अशोक (Ashok) (273-232 ई.पू.)

अशोक राजा बनने से पूर्व, अपने पिता बिन्दुसार के समय अवन्ति का राज्यपाल था।

सिंहली अनुश्रुति और महावंश के अनुसार।

अशोक ने अपने **99 भाइयों** की हत्या कर राजगद्दी प्राप्त की। अपने शासनकाल के चार वर्षों बाद **269 ई.पू. में राज्याभिषेक** कराया। उसने **261 ई.पू.** में **कलिंग पर विजय** प्राप्त की, परन्तु भयानक रक्तपात व नरसंहार देखकर वह द्रवित हो उठा जिसके फलस्वरूप उसने **उपगुप्त** से शिक्षा प्राप्त कर बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। अशोक को 'देवनाम प्रियदर्शी' के नाम से भी जाना जाता है।

10. गुप्त वंश (240-480 ई.) (Gupta Dynasty)

गुप्त वंश का उदय चौथी शताब्दी में हुआ था जिसने लगभग 300 वर्ष तक शासन किया। इस वंश के शासकों ने बड़े साम्राज्य की स्थापना की, जिसमें पूरा उत्तर भारत शामिल था। इस वंश के शासन काल में कला, वास्तुकला तथा साहित्य के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई।

I. श्रीगुप्त (240-280 ई.) (Srigupta)

श्रीगुप्त गुप्त वंश का संस्थापक था, जिसे गुप्तों का आदि पुरुष कहा गया है। उसने 240–280 ई. तक शासन किया। उसने महाराज की उपाधि प्राप्त की। उसके बाद उसका पुत्र घटोत्कच शासक बना।

II. चन्द्रगुप्त प्रथम (320–335 ई.) (Chandragupta I)

चन्द्रगुप्त प्रथम इस वंश का प्रथम प्रमुख शासक था तथा उसे **गुप्त संवत्** का संस्थापक माना जाता है।

नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमार गुप्त प्रथम द्वारा कराई गई।

III. समुद्रगुप्त (335–375 ई.) (Samudragupta)

उसे **भारत का नेपोलियन** भी कहते हैं।

अप्रतिरथ व्याघ्र परक्रमांक आदि उपाधि समुद्रगुप्त ने धारण की थी। समुद्रगुप्त ने बौद्ध भिक्षु वसुबन्धु को संरक्षण प्रदान किया था और श्रीलंका के शासक के यहाँ अपने दूत भेजे थे।

IV. चन्द्रगुप्त द्वितीय (380–415 ई.) (Chandragupta II)

समुद्रगुप्त के बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय शासक बना। चद्रगुप्त द्वितीय के अन्य नाम देवगुप्त, देवराज, तथा देवश्री और उपधियाँ क्रमशः विक्रमांक, विक्रमादित्य और परमभागवत थी। प्राचीन भारत की श्रेष्ठतम साहित्य प्रतिभा **कालिदास** उसकी राज्यसभा के रत्न थे। **धनवन्तरि** जैसे प्रसिद्ध चिकित्सक इसी के शासनकाल में हुए थे। चीनी यात्री फाह्यान भी इसी के शासनकाल में आया था।

11. पुष्यभूति या वर्धन राजवंश (Pushyabhuti or Vardhan Dynasty)

हर्षवर्धन (606-647 ई.) (Harsh Vardhan)

- पुष्यभूति, वर्धन वंश का संस्थापक था। पुष्यभूति ने थानेश्वर को अपनी राजधानी बनाया। वह 'शिव' का परम भक्त था।
- हर्षवर्धन, राज्यवर्धन के बाद थानेश्वर के सिंहासन पर बैठा। हर्षवर्धन के विषय में बाणभट्ट के 'हर्षचरित' से व्यापक जानकारी मिलती है। हर्षवर्धन ने लगभग 41 वर्ष (606-647AD) शासन किया।
- हर्ष बौद्ध धर्म का अनुयायी था।

12. भारत पर अरब एवं तुर्क आक्रमण (Arab & Turkish Invasion on India)

भारत पर शताब्दियों से अनेक विदेशी आक्रमण होते रहे हैं। विदेशी आक्रमणकारी, शक, हूण, कुषाण, पार्थियन आदि के रूप में भारत आए। 712 ई. में अरब आक्रमणकारी मुहम्मद बिन कासिम ने भारत पर आक्रमण किया।

I. अरबों का आक्रमण (Arab Invasion)

- मुहम्मद कासिम से पूर्व भी अरब आक्रांताओं ने आक्रमण किया था, परन्तु वे असफल रहे। अरब आक्रांताओं का भारत पर आक्रमण का मूल उद्देश्य धन लूटना तथा इस्लाम धर्म का प्रचार–प्रसार करना था।
- भारत में इस्लाम के प्रचार के उद्देश्य से सर्वप्रथम मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई. में सफल आक्रमण किया था।
- अरब आक्रमण के समय सिंध पर दाहिर का शासन था।

II. महमूद गजनवी [998-1030] ई. (Mehmud Ghaznavi)

- उसका प्रमुख उद्देश्य भारत की सम्पत्ति को लूटना था।
- 1025 ई. में महमूद ने **सोमनाथ (गुजरात)** पर आक्रमण किया और मंदिर को पूर्णतया नष्ट कर दिया। इस समय यहाँ का शासक भीम-I था।
- महमूद गजनवी का अन्तिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर किया गया।
- महमूद के संरक्षण में **अलबरूनी, फिरदौसी, उत्बी एवं फर्रुखी** आदि विद्वान थे।
- अलबरूनी की रचना **किताब–उल–हिन्द (तारीख–ए–हिन्द)** है।

III. शिहाबुद्दीन उर्फ मुईजुद्दीन मुहम्मद गौरी (Shihabhuddin Alias Muizuddin Mohammad Ghori)

- मुहम्मद गौरी का प्रथम आक्रमण 1175 में मुल्तान के विरुद्ध हुआ था।
- मुहम्मद गौरी ने भारत पर अपने दूसरे आक्रमण के क्रम में 1178 ई. में गुजरात के चालुक्य (सोलंकी) वंशीय शासक भीम द्वितीय पर आक्रमण किया। इस युद्ध में भीम द्वितीय ने मुहम्मद गौरी को आबू पर्वत के निकट पराजित किया था।
  - **(i) तराइन का प्रथम युद्ध (First battle of Tarain)**— यह युद्ध 1191 ई. भटिण्डा के निकट तराइन में हुआ जिसमें पृथ्वीराज तृतीय ने मुहम्मद गौरी को हरा दिया।
  - **(ii) तराइन का द्वितीय युद्ध (Second battle of Tarain)**— यह युद्ध 1192 ई. में हुआ जिसमें मुहम्मद गौरी विजयी रहा और पृथ्वीराज तृतीय को कैद कर लिया गया और हत्या कर दी गई।
  - **(iii) चन्दावर का युद्ध (Battle of Chandavar)** : यह युद्ध 1194 ई. में हुआ जिसमें गौरी ने कन्नौज के शासक जयचन्द को पराजित कर उसे मार डाला।
- मुहम्मद गौरी जब वापस गजनी जा रहा था तो दमयक नामक स्थान पर 15 मार्च, 1206 ई. को उसकी हत्या कर दी गई।
- 1206 ई. में गौरी की मृत्यु के बाद ऐबक ने भारत में गुलाम वंश की नींव रखी।

13. दिल्ली सल्तनत [1206-1526 ई.] (Delhi Sultanate)

12वीं शताब्दी के आरम्भ में दिल्ली पर गुलाम वंश की स्थापना से पूर्व तोमर वंश का शासन था। इस वंश के शासक अनंगपाल तोमर द्वारा दिल्ली नामक शहर की स्थापना की गई।

- दिल्ली सल्तनत की स्थापना 13वीं सदी के आरम्भ में हुई और इसके साथ ही दिल्ली एक ऐसी राजधानी में बदल गई जिसका नियंत्रण इस महाद्वीप के बहुत बड़े क्षेत्र पर फैल गया।

320 वर्षों में दिल्ली पर मुस्लिम सुल्तानों के पाँच अलग–अलग वंशों ने शासन किया–

I. गुलाम वंश या इलबारी वंश [1206-1290] ई. (Slave/Ilbari Dynasty)

दिल्ली सल्तनत के अंतर्गत सर्वप्रथम गुलाम वंश की स्थापना हुई। गुलाम वंश (या मामलुक वंश) की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा की गई थी।

(i) कुतुबुद्दीन ऐबक [1206-1210] ई. (Qutubuddin Aibak)

- इसने 1206 ई. में भारत में तुर्की शासन की नींव रखी थी।
- वह लाखों में दान दिया करता था इसलिए उसे **लाखबक्श** कहा जाता था।
- ऐबक ने सूफी संत ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर दिल्ली में **कुतुबमीनार का निर्माण करवाया जिसे इल्तुतमिश ने पूरा किया।**
- उसने दिल्ली में **कुव्वत–उल–इस्लाम** और अजमेर में **अढ़ाई दिन का झोंपड़ा** नामक मस्जिदों का निर्माण करवाया।
- 1210 में **चौगान (पोलो)** खेलते हुए घोड़े से गिरकर ऐबक की मृत्यु लाहौर में हुई।

(ii) इल्तुतमिश [1211-1236] ई. (Iltutmish)

- डॉ. आर. पी. त्रिपाठी ने इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक कहा है।
- उसने दिल्ली को अपनी राजधानी बनवाया।
- इल्तुतमिश को गुलामों का गुलाम कहा जाता है।
- उसने चालीस गुलाम सरदारों के गुट अर्थात् **तुर्कान–ए–चिहलगानी** के संगठन की स्थापना की।
- उसने **इक्ता व्यवस्था** लागू की।
- उसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाए। चाँदी का **टंका** और ताँबे का **जीतल** उसी ने आरम्भ किया।
- इल्तुतमिश ने दिल्ली और लाहौर में मदरसों का निर्माण करवाया था।
- सल्तनतकालीन आरम्भिक समय की भाषा तुर्की थी।
- इल्तुतमिश ने **कुतुबमीनार** के निर्माण कार्य को पूरा करवाया। उसे **मकबरा निर्माण शैली का जन्मदाता** भी कहा जाता है।

(iii) रजिया [1236-1240] ई. (Razia)

- **दिल्ली सल्तनत के इतिहास में रजिया एकमात्र मुस्लिम महिला शासिका बनी। वह प्रथम तुर्क महिला शासिका भी थी।**
- 13 अक्टूबर, 1240 ई. को कैथल के निकट कुछ डाकुओं ने रजिया की हत्या कर दी।

(iv) नासिरुद्दीन मुहम्मद शाह [1241-1265] ई. (Nasiruddin Muhammad Shah)

यह इल्तुतमिश का पुत्र था इसके शासन का वर्णन मिनहाज–उस–सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात–ए–नासिरा में किया है।

नासिरुद्दीन महमूद के समय एक हिन्दू इमामुद्दीन रेहान वकील–ए–दर पद पर पहुँचा था।

(v) ग्यासुद्दीन बलबन [1265-1287] ई. (Ghiyasuddin Balban)

- बलबन ने चालीस तुर्क सरदारों के गुट **'तुर्कान–ए–चिहालगानी'** की समाप्ति की।
- बलबन ने कई ईरानी परंपराएँ जैसे–**सिजदा** (भूमि पर लेटकर अभिवादन) एवं पैबोस (सुल्तान के चरणों को चूमना) प्रारंभ करवाई।
- उसने ही ईरानी त्योहार **नौरोज** भी आरंभ किया।
- ग्यासुद्दीन बलबन, दिल्ली सल्तनत के अन्तर्गत गुलाम वंश का शासक था। उसने 1266 से 1287 ई. के बीच शासन किया। बलबन ने शासन संचालन के लिए 'लौह और रक्त' की नीति अपनाई। उसने सुल्तान की सत्ता को 'दैवी अधिकार' के रूप में स्थापित करने के लिए स्वयं को अफरासियाब वंश का वंशज घोषित किया।
- दिल्ली सल्तनत में दीवान–ए–अर्ज की स्थापना बलबन ने की थी। दीवान–ए–अर्ज विभाग रक्षा विभाग से सम्बन्धित था।

II. खिलजी वंश [1290-1320] ई. (Khilji Dynasty)

(i) जलालुद्दीन फिरोजशाह खिलजी [1290-1296] ई. (Jalaluddin Firozshah Khilji)

- जलालुद्दीन, खिलजी वंश का संस्थापक था। उसने किलोखरी (कूलागढ़ी) को अपनी राजधानी बनाया था।
- अमीर खुसरो और हसन देहलवी दोनों ही जलालुद्दीन के दरबार में रहते थे।
- जलालुद्दीन खिलजी ने 'दीवान–ए–वकूफ' नामक व्यय विभाग की स्थापना की।

(ii) अलाउद्दीन खिलजी [1296-1316] ई. (Alauddin Khilji)

- जलालुद्दीन खिलजी की हत्या कर उसके भतीजे/दामाद अलाउद्दीन खिलजी ने 22 अक्टूबर, 1296 को अपना राज्याभिषेक कराया तथा **सिकन्दर–ए–सानी** की उपाधि ग्रहण की।
- 1306 में अलाउद्दीन के समय दिल्ली सल्तनत व मंगोलों के बीच की सीमा सिन्धु नदी द्वारा तय होती थी।
- मलिक मोहम्मद जायसी की रचना पद्मावत के अनुसार अलाउद्दीन के वर्ष 1303 के चितौड़ अभियान का कारण यहाँ के शासक राणा रतन सिंह की पत्नी पद्मिनी को प्राप्त करना था।
- 1303 में काकातीय शासकों की सेना ने अलाउद्दीन की सेना को वारंगल में परास्त किया।

III. तुगलक वंश [1320-1414] ई. (Tughlaq Dynasty)

(i) गियासुद्दीन तुगलक [1320-1325] ई. (Ghiyasuddin Tughlaq)

- गियासुद्दीन तुगलक ने तुगलक वंश की स्थापना की थी।
- उसने **सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करवाई** और **नहरों का निर्माण** करवाया।
- उसने **तुगलकाबाद नामक एक शहर** की स्थापना की थी।
- चिश्ती संत निजामुद्दीन औलिया के साथ उसके सम्बन्ध कटुतापूर्ण थे।

- तुगलक ने शेख निजामुद्दीन औलिया से मिलने का अनुरोध किया, लेकिन शेख ने मिलने से मना कर दिया।

(ii) मोहम्मद बिन तुगलक [1325-1351] ई. (Mohammad Bin Tughlaq)

- मोहम्मद बिन तुगलक का मूल नाम **जौना खाँ** था।
- उसके शासनकाल में 1333 ई. में मोरक्को का यात्री **इब्नबतूता** भारत आया था।
- इब्नबतूता ने अपना यात्रा वृतांत रेहला नामक पुस्तक में लिखा।
- इब्नबतूता को मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली का काजी नियुक्त किया और बाद में 1342 ई. में उसे दिल्ली सल्तनत का राजदूत बनाकर चीन भेजा गया।

(iii) फिरोजशाह तुगलक [1351-1388] ई. (Firozshah Tughlaq)

- फिरोजशाह ने ही मोहम्मद बिन तुगलक (जौना खाँ) की याद में जौनपुर नगर की स्थापना की।
- फिरोज ने **ताश घड़ियाल** एवं एक **जलघड़ी** का निर्माण कराया था।
- उसने अशोक के दो स्तम्भों को दिल्ली मँगाया। इनमें से एक **मेरठ** और दूसरा **टोपरा (पंजाब)** से लाया गया था।
- फिरोज ने कुतुबमीनार की चौथी मंजिल के स्थान पर दो और मंजिलों का निर्माण कराया। इस प्रकार कुतुबमीनार अब **पाँच मंजिला** बन गई है।
- उसने **दीवान–ए–खैरात** विभाग स्थापित किया जो मुसलमान अनाथ स्त्रियों एवं विधवाओं को आर्थिक सहायता देता था।
- उसने दिल्ली के निकट एक खैराती अस्पताल **दार–उल–शफा** स्थापित किया।

IV. सैयद वंश [1414-1451] ई. (Sayyid Dynasty)

- सैयद वंश का संस्थापक खिज्रखाँ (1414–1421 ई.) था।
- खिज़्रखाँ ने अपने पुत्र मुबारकशाह (1421–1434 ई.) को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।
- मुबारक शाह दरबार में नंगा आता था ऐसा कहा जाता है।
- इस वंश का अंतिम शासक अलाउद्दीन आलमशाह (1445–1451 ई.) था। बहलोल लोदी ने 1451 ई. में अलाउद्दीन आलमशाह को अपदस्थ कर दिल्ली पर लोदी वंश की स्थापना की।

V. लोदी वंश [1451-1526] ई. (Lodhi Dynasty)

(i) बहलोल लोदी (Bahlol Lodi) [1451-1489]–इसने दिल्ली में लोदी वंश की स्थापना की। मध्यकालीन भारत में प्रथम अफगान राज्य की स्थापना लोदियों द्वारा ही हुई।

बहलोल लोदी ने अफगान साम्राज्य को अफगान भातृत्व भावना पर आधारित कहा था।

(ii) सिकन्दर लोदी [1489-1517] ई. (Sikandar Lodhi)

- उसने आगरा नामक नवीन नगर 1504 ई. में बसाया और 1506 ई. में राजधानी बनाया।
- सिकन्दर लोदी **गुलरुखी** के उपनाम से फारसी में कविताएँ लिखता था।
- उसने नाप के लिए पैमाना **'गज–ए–सिकन्दरी'** प्रारंभ किया जो 30 इंच का होता था।

(iii) इब्राहिम लोदी [1517-1526] ई. (Ibrahim Lodhi)

- इब्राहिम लोदी, सिकन्दर लोदी का पुत्र था, जो लोदी वंश का अंतिम शासक था।
- 12 अप्रैल, 1526 ई. को बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच **पानीपत का प्रथम युद्ध** हुआ जिसमें इब्राहिम की पराजय हुई और वह युद्ध स्थल पर मारा गया। दिल्ली सल्तनत पूर्णतः समाप्त हुई और भारत में नई सत्ता की स्थापना हुई, जिसका नाम मुगल सत्ता था। इनका मकबरा पानीपत में ही है।

14. विजय नगर राज्य (Vijay Nagar Empire)

भारत के दक्षिणी पश्चिमी तट पर (तुगंभद्रा नदी के तट पर) 1336 ई. में विजयनगर राज्य (वर्तमान नाम हम्पी) की स्थापना **हरिहर और बुक्का** नामक दो भाइयों द्वारा हुई थी। 1336 ई. में हरिहर ने **हम्पी (हस्तिनावती)** राज्य की नींव डाली। उसी वर्ष तुंगभद्रा नदी के तट पर विजयनगर साम्राज्य बसाया। 1800 ई. के आस–पास एण्ड्रयू फ्रेजर ने हम्पी में विजयनगर के भग्नावशेषों की खोज की थी।

क्या आप जानते हैं– विजयनगर साम्राज्य में महिलाएँ कुश्ती में भाग लेती थीं।

I. संगम वंश (Sangam Dynasty)

(i) हरिहर प्रथम [1336-1356] ई. (Harihara I) इस वंश का प्रथम शासक था। अनेगोण्डी तथा विजय नगर इसकी राजधानियाँ थीं।

(ii) बुक्का प्रथम [1356-1377] ई. (Bukka I) ने वेदमार्ग प्रतिष्ठापक की उपाधि ग्रहण की तथा चीन में दूत मंडल भी भेजा।

(iii) देवराय प्रथम [1404-1422] ई. (Devrai–I)

- इसके काल में इटली के यात्री **निकोलो कोण्टी (1420 ई.)** ने विजयनगर की यात्रा की।

(iv) देवराय द्वितीय [1422-1446] ई. (Devrai-II)

- उसके समय फारसी यात्री **अब्दुर्रज्जाक** ने विजयनगर की यात्रा की थी।
- इसे इम्मादि देवराय भी कहा जाता है।

II. सालुव वंश (Saluva Dynasty)

- नरसिंह सालुव अपने वंश का एकमात्र शासक हुआ।

III. तुलुव वंश (Tuluva Dynasty)

- विजयनगर साम्राज्य के तीसरे राजवंश 'तुलुव वंश' (1505-1570 ई.) की स्थापना वीर नरसिंह (1505-1509 ई.) ने की थी। इसके शासनकाल में सामन्तों का विद्रोह हुआ था, जिसे इसने सफलतापूर्वक दबा दिया था।

(i) कृष्णदेवराय [1509-1529] ई. (Krishnadeva Rai)

- कृष्णदेवराय तुलुव वंश का सबसे महान शासक था। बाबरनामा में विजयनगर के शासक कृष्णदेवराय का उल्लेख हुआ है।
- उसने अपने प्रसिद्ध तेलुगू ग्रंथ आमुक्तमाल्याद में अपनी प्रशासनिक नीतियों की विवेचना की है।
- उसके समय में पुर्तगाली यात्री **डोमिंगो पायस, डुआर्ट, बारवोसा** ने विजयनगर की यात्रा की।

- कृष्णदेव राय के शासनकाल को **'तेलुगू साहित्य का स्वर्ण काल'** कहा जाता है।
- वह महान विद्वान, विद्या प्रेमी था जिसके कारण वह **अभिनव भोज, आन्ध्र भोज** के नाम से प्रसिद्ध था। उसके दरबार में **अष्टदिग्गज** (तेलुगू साहित्य के आठ सर्वश्रेष्ठ कवि) रहते थे।
- कृष्णदेव राय के समय पोन्न दरबारी कवि था जो अत्यन्त लोकप्रिय था।
- विजयनगर साम्राज्य की राजभाषा तेलुगू थी।

(ii) अच्युतदेव राय [1529-1542] ई. (Achyutdeva Rai)

- इसी के समय में पुर्तगाली यात्री नूनिज ने विजयनगर की यात्रा की थी।

(iii) सदाशिव राय [1542-1572] ई. (Sadashiva Rai)

- 23 जनवरी, 1565 ई. में संयुक्त सेनाओं ने **तालीकोटा के युद्ध (बन्नी हट्टी या राक्षण तगड़ी का युद्ध)** में विजयनगर की सेना को हराया और इस तरह विजयनगर साम्राज्य का अंत हुआ।

IV. अरावीडु वंश (Aravidu Dynasty)

- तिरूमल ने 1570 ई. में सदाशिव को हटाकर अरावीडु वंश की स्थापना की।
- वर्तमान समय में विजयनगर साम्राज्य के अवशेष हम्पी में मिले हैं।

15. बहमनी राज्य (Bahmani Empire)

- बहमनी राज्य की स्थापना 1347 ई. में हसन गंगू द्वारा की गई थी। उसने गुलबर्गा को राजधानी बनाया और **उसका नाम अहमदाबाद रखा।**
- बहमनशाह के बाद उसका पुत्र मुहम्मदशाह प्रथम (1358–1375 ई.) गद्दी पर बैठा। उसने वारंगल और विजयनगर के हिन्दु राजाओं से युद्ध किया। इसी काल में बारूद का प्रयोग **पहली बार हुआ।**

I. प्रमुख बहमनी शासक (Main Bahmani Rulers)

(i) मुहम्मदशाह प्रथम (1358–1375) ई.
(ii) अलाउद्दीन मुजाहिद (1375–1378) ई.
(iii) मुहम्मद द्वितीय (1378–1397 ई.)
(iv) ताजुद्दीन फिरोजशाह (1397–1422) ई.
(v) अहमदशाह (1422–1436) ई.
(vi) अलाउद्दीन अहमदशाह (1436–1458) ई.
(vii) मुहम्मदशाह III (1463–1482) ई.

II. बहमनी राज्य का पतन (Fall of Bahmani Empire)

- बहमनी राज्य का अंतिम शासक खलीमुल्ला था जिसकी मृत्यु 1538 ई. में हुई और उसके पश्चात् बहमनी राज्य पाँच स्वतंत्र राज्यों में विभाजित किया गया।

राज्य	वर्ष (ई.)	संस्थापक	वंश
बीजापुर	1489	युसुफ	आदिलशाह आदिलशाही
अहमदनगर	1490	मलिक अहमद	निजामशाही
बरार	1490	इमादशाह	इमादशाही
गोलकुण्डा	1512	कुल कुतुबशाह	कुतुबशाही
बीदर	1526	अमीर अली बरीद	बरीदशाही

16. मुगल वंश (Mughal Dynasty)

मुगल दो महान् शासक वंशों के वंशज थे। माता की ओर से वे मंगोल शासक चंगेज खान जो चीन और मध्य एशिया के कुछ भागों पर राज करता था, के उत्तराधिकारी थे। पिता की ओर से वे ईरान, एवं तुर्की के शासक तैमूर के वंशज थे।

बाबर ने जिस नवीन वंश की नींव डाली वह तुर्की नसल का ''चुगताई तुर्क'' वंश था।

मुगल वंश का संस्थापक बाबर को माना जाता था। उसने भारत के धन–धान्य की ख्याति से प्रभावित होकर भारत की ओर रुख किया था।

I. बाबर [1526-1530] ई. (Babur)

- मुगल साम्राज्य के संस्थापक **बाबर** का जन्म 1483 को फरगना में हुआ तथा वह 1494 ई. में 11 वर्ष की आयु में फरगना की गद्दी पर बैठा।
- बाबर को दौलत खाँ लोदी ने भारत आने का निमन्त्रण दिया था और यहाँ आने पर अपार धन मिलने का आश्वासन दिया था।
- **बाबर द्वारा लड़े गए प्रमुख युद्ध (Battles Fought by Babur)–** बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526) में इब्राहिम लोदी, खानवा के युद्ध (16 मार्च 1527) में राणा सांगा, चंदेरी के युद्ध (29 जनवरी 1528) में मेदीनी राय तथा घाघरा के युद्ध (06 अप्रैल 1529) में अफगानों को हराया।
- बाबर ने पद्य में एक नवीन शैली में **मुबइयान** को लिखा जो मुस्लिम कानून की पुस्तक है।

II. हुमायूँ [1530-1556] ई. (Humayun)

- हुमायूँ ने 30 दिसंबर, 1530 ई. को 23 वर्ष की आयु में आगरा की गद्दी सम्भाली।
- **हुमायूँ द्वारा लड़े गए युद्ध (Battles Fought by Humayun)**
  - **चौसा का युद्ध (26 जून, 1539 ई.) :** इस युद्ध में शेर खाँ ने हुमायूँ को हराया।
  - **कन्नौज या बिलग्राम का युद्ध (17 मार्च, 1540 ई.) :** इस युद्ध में शेरशाह ने हुमायूँ को पराजित कर आगरा और दिल्ली पर अधिकार स्थापित कर लिया और हुमायूँ आगरा छोड़कर सिन्ध चला गया।
- 15 वर्ष के निष्कासित जीवन के दौरान हुमायूँ ने हिन्दाल के गुरु मीर अली अकबर की पुत्री हमीदाबानो बेगम से 1541 ई. में विवाह किया जिसने कालान्तर में अकबर को जन्म दिया।
- 23 जुलाई, 1555 को हुमायूँ एक बार फिर दिल्ली का बादशाह बना।

पुस्तक	लेखक
बाबरनामा	बाबर
शाहजहाँनामा	मुहम्मद ताहिर
तुजुक–ए–जहाँगीरी	जहाँगीर

शेरशाह सूरी (शेर खाँ) [1540-1545] ई. (Shershah Suri)

- शेरशाह ने उत्तर–भारत में सूर वंश के द्वितीय अफगान साम्राज्य की स्थापना की। **(पहला अफगान साम्राज्य लोदी वंश का था।)**
- **कबूलियत** एवं **पट्टा प्रथा** की शुरुआत शेरशाह ने की थी।
- उसने चाँदी के रुपये (180 ग्रेन), ताँबे के सिक्के दाम (380 ग्रेन) चलाए।
- शेरशाह सूरी ने ही ग्रांड ट्रंक रोड का निर्माण कराया था तथा चाँदी के सिक्के रुपया व दाम का प्रचलन प्रारम्भ करवाया।
- शेरशाह सूरी ने भूमि मापांकन व्यवस्था आरम्भ की। उसने भू–राजस्व सुधार के लिए भूमि की किस्म व फसलों के आधार पर उत्पादन में हिस्सा निर्धारित किया तथा पोस्टल विभाग को विकसित किया।

III. अकबर [1556-1606] ई. (Akbar)

- अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 ई. को सिंध में **अमरकोट** के **राजा वीरसाल के महल** में हुआ था। उसकी माता का नाम हमीदा बानो बेगम था।
- **बैरम खान अकबर का प्रारम्भिक संरक्षक था अपने राज्याभिषेक के समय से (सन् 1556 से सन् 1561) तक बैरम खाँ ने ही शासन के बारे में अकबर का मार्गदर्शन किया।**
- अकबर का राज्याभिषेक 13 वर्ष की आयु में कलानौर नामक स्थान पर 14 फरवरी, 1556 ई. को बैरमखाँ ने किया।
- वर्ष 1556 में हिन्दू राजा हेमचन्द्र (हेमू) ने अकबर की मुगल सेना को परास्त करके "विक्रमादित्य" की उपाधि धारण की। यह उपाधि धारण करने वाला वह 14वाँ शासक था।
- अकबर के शासनकाल में दिल्ली में हुमायूँ के मकबरे का निर्माण कराया गया था। यह मकबरा मुगल स्थापत्य कला का प्रथम मकबरा बाग था।
- अकबर ने पानीपत के दूसरे युद्ध (05 नवबंर, 1556 ई.) में हेमू को तथा हल्दी घाटी के युद्ध (18 जून, 1576) में महाराणा प्रताप को हराया।
- 1567 में जब अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया तो वहाँ का शासक उदय सिंह द्वितीय था।
- इस युद्ध में राणा की सेना का नेतृत्व हकीम खान सूर कर रहा था।
- आमेर के कछवाह शासक भारभल पहला राजपूत राजा था जिसने अकबर की अधीनता स्वीकार की ओर अपनी पुत्री हरखाबाई का विवाह अकबर से कर वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किये।
- अकबर की मृत्यु 25 अक्टूबर, 1605 ई. में हुई। उसे बौद्ध प्रभाव से निर्मित सिकन्दरा (आगरा) के मकबरे में दफनाया गया। अकबर की मृत्यु के समय उसका एकमात्र जीवित पुत्र सलीम था।
- **बीरबल, टोडरमल, मानसिंह, तानसेन, मुल्ला दो प्याजा, हकीम हुमाम, फैजी, अब्दुर्रहीम खानेखाना, अबुल फजल :** अकबर के नौ रत्न थे।
- दसवंत मुगल शासक अकबर के दरबार के प्रमुख चित्रकार थे।
- अकबर ने फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना बनवाया तथा दीन–ए–इलाही धर्म भी शुरू किया।
- अकबर ने आगरा में लाल किला भी बनवाया।
- अकबर द्वारा आगरा किले में जहाँगीर महल बनवाया।

महत्वपूर्ण पुस्तकें और उनके फारसी अनुवादक
(Important Books and Their persian Translators)

पुस्तक	फारसी अनुवादक
वेद	हाजी इब्राहिम सरहदी
राजतरंगणी	मुल्लाशाह मोहम्मद
तुजुक–ए–बाबरी	अब्दुर्रहीम खानखाना
नल दयमन्ती	फैजी
पंच तन्त्र	अबुल फजल एवं मौलाना हुसैन फैज

महत्वपूर्ण इमारतें और उनके निर्माता
(Important Buildings and their Builders)

इमारत का नाम	स्थान	निर्माता
शेरशाह का मकबरा	सासाराम	शेरशाह सूरी
पुराना किला	दिल्ली	शेरशाह सूरी
लाल किला (लाल पत्थर)	आगरा	अकबर
बुलंद दरवाजा	फतेहपुर सीकरी	अकबर
अकबर का मकबरा	सिकन्दरा (आगरा के निकट)	जहाँगीर
एत्माउद्दौला का मकबरा (सफेद संगमरमर)	आगरा	नूरजहाँ
लाल किला	दिल्ली	शाहजहाँ
जामा मस्जिद	दिल्ली	शाहजहाँ
जामा मस्जिद	आगरा	जहाँआरा बेगम
ताजमहल (सफेद संगमरमर)	आगरा	शाहजहाँ
अटाला मस्जिद	जौनपुर	इब्राहिम शाह शर्की

IV. जहाँगीर [1605-1627] ई. (Jahangir)

- 1606 में जहाँगीर के बड़े पुत्र खुसरो ने विद्रोह किया सिख गुरु अर्जुन सिंह से शरण ली। **1621 ई. में खुर्रम ने खुसरो को मरवा डाला।** जहाँगीर ने सिख गुरु अर्जुन सिंह को खुसरो की सहायता करने के लिए 1606 में मृत्यु दण्ड दे दिया।
- **विलियम हॉकिन्स,** (1608) **सर टामस रो** (1615), **विलियम फिंच** एवं **एडवर्ड टैरी,** जहाँगीर के दरबार में आए।

- जहाँगीर ने विलियम हॉकिन्स को इंग्लिश खाँ की उपाधि प्रदान की।
- उसने आगरे के किले से कुछ दूर तक घंटियाँ लगवाईं, जिसमें एक स्वर्ण जंजीर लगी थी। उसे **'न्याय की जंजीर'** का शासक कहा गया है।
- जहाँगीर द्वारा नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण 12 आध्यादेश जारी किए थे।

V. शाहजहाँ [1627-1658] ई. (Shahjahan)

- शाहजहाँ (खुर्रम) का जन्म 5 जनवरी, 1592 ई. को लाहौर में हुआ। उसकी माता मारवाड़ के शासक उदय सिंह की पुत्री **जगतगोसाई थी**। खुर्रम का विवाह 1612 ई. में आसफ खाँ की पुत्री **अर्जुमन्द बानो बेगम** के साथ हुआ जो बाद में मुमताज महल के नाम से प्रसिद्ध हुई।
- शाहजहाँ के 4 बेटे थे – दारा शिकोह, औरंगजेब, शाह शुजा और मुराद। 1658 ई. में बहादुरपुर के युद्ध में शाहजहाँ के दूसरे बेटे शाह शुजा को दारा के पुत्र सुलेमान ने पराजित किया था।
- शाहजहाँ ने अपने शासनकाल के प्रारम्भिक वर्षों में इस्लाम का पक्ष लिया किन्तु बाद में दारा और जहाँआरा के प्रभाव के कारण सहिष्णु बन गया। शाहजहाँ ने 1636-37 में 'सिजदा' एवं 'पाबोस' प्रथा को खत्म कर दिया तथा उसके स्थान पर 'चहार–तस्लीम' की प्रथा प्रारम्भ कराई तथा पगड़ी में बादशाह की तस्वीर पहनने को प्रतिबंध कर दिया।

VI. औरंगजेब [1658-1707] ई. (Aurangzeb)

- औरंगजेब का जन्म 3 नवम्बर, 1618 ई. को **उज्जैन के निकट दोहद** नामक स्थान पर हुआ था। 18 मई, 1637 ई. को औरंगजेब का विवाह **रबिया बीबी (दिलरासबानो बेगम)** राबिया उद्–दौरानी से हुआ था।
- विश्व प्रसिद्ध मयूर सिंहासन का निर्माण शाहजहाँ द्वारा कराया गया था जिसे 1739 में नादिरशाह लूट कर ले गया।
- औरंगजेब ने दिल्ली के लाल किला में **मोती मस्जिद** को बनवाया था। उसने अपनी पत्नी **राबिया उद्–दौरानी का मकबरा** औरंगाबाद में बनवाया जिसे **बीबी का मकबरा दक्षिण भारत का ताजमहल, काला ताजमहल** भी कहा जाता है। यह मकबरा आजमशाह की देख–रेख में तैयार हुआ था।
- औरंगजेब ने सिखों के **नौवें गुरु तेगबहादुर** की 1675 ई. में हत्या करवा दी।
- औरंगजेब ने अपनी बहन जहाँआरा को मरणोपरांत साहिबात उज–जमानी की उपाधि प्रदान की।
- औरंगजेब की मृत्यु 4 मार्च, 1707 ई. को महाराष्ट्र के अहमद नगर में हुई थी।
- बहादुर शाह द्वितीय मुगल साम्राज्य का अन्तिम शासक था। जिसे 1857 की क्रान्ति के दौरान ब्रिटिश सेना द्वारा हुमाऊँ के मकबरे से गिरफ्तार कर लिया गया तथा पेंशन देकर रंगून भेज दिया गया जहाँ उसकी 1862 में मृत्यु हो गयी।

17. मराठों का उत्कर्ष (Rise of Marathas)

17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया प्रारम्भ होने के साथ कई स्वतंत्र राज्यों की स्थापना हुई जिसमें मराठों का विशेष स्थान है।

I. शिवाजी [1627-1680] ई. (Shivaji)

- शिवाजी का जन्म 20 अप्रैल, 1627 ई. (कुछ विद्वान इनका जन्म 20 फरवरी 1630 मानते हैं) को **पूना** के उत्तर में स्थित जुन्नान नगर के समीप **शिवनेर के दुर्ग** में हुआ था। उनके पिताजी का नाम **शाहजी भौंसले** और माता का नाम **जीजाबाई** था।
- शिवाजी के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव उनकी माता जीजाबाई और उनके शिक्षक **दादा कोंडदेव** का पड़ा। उनके गुरु का नाम समर्थ **रामदास** था।
- शिवाजी ने गुरिल्ला युद्ध पद्धति का प्रयोग किया।
- शिवाजी की विस्तारवादी नीति पर रोक लगाने के लिए 1659 ई. में बीजापुर राज्य ने **अफजल खाँ** को भेजा, लेकिन शिवाजी ने 2 नवंबर, 1659 ई. को बाघनख से उसकी हत्या कर दी।
- 1665 ई. में औरंगजेब ने राजा जयसिंह को शिवाजी के विरुद्ध भेजा। **22 जून, 1665 ई.** को शिवाजी और जयसिंह के मध्य **पुरन्दर की संधि** हुई।
- 16 जून, 1674 में शिवाजी ने काशी के प्रसिद्ध विद्वान **श्रीगंगाभट्ट** द्वारा अपना राज्याभिषेक करवाया। उन्होंने **छत्रपति की उपाधि** प्राप्त की और **रायगढ़** को अपनी राजधानी बनाया।
- शिवाजी की मृत्यु 3 अप्रैल, 1680 ई. को 53 वर्ष की आयु में हो गई।
- शिवाजी के मंत्रिमण्डल में 8 मंत्री थे जिनको अष्टप्रधान कहा जाता था।
- संत तुकाराम (1608-1650) शिवाजी के समकालीन थे। ये भक्ति आन्दोलन के महान सन्त कवि थे।

II. शम्भाजी [1680-1689] ई. (Shambhaji)

शिवाजी की मृत्यु के बाद शम्भाजी 20 जुलाई, 1680 को सिंहासन पर बैठा। शम्भाजी ने 1681 ई. में औरंगजेब के पुत्र अकबर को शरण दी थी। 21 मार्च, 1689 को औरंगजेब ने शम्भाजी की हत्या करवा दी और रायगढ़ पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसके बाद राजाराम स्वयं को शाहू का प्रतिनिधि मानकर गद्दी पर बैठा।

III. राजाराम [1689-1700] ई. (Rajaram)

राजाराम का राज्याभिषेक 1689 ई. में रायगढ़ के किले में हुआ। उसने अपने को शाहू का प्रतिनिधि माना और कभी गद्दी पर नहीं बैठा।

IV. शिवाजी द्वितीय एवं ताराबाई [1700-1707] ई. (Shivaji II & Tarabai)

राजाराम की मृत्यु के पश्चात् उसकी पत्नी ताराबाई ने अपने 4 वर्ष के पुत्र शिवाजी द्वितीय को गद्दी पर बैठाया और मुगलों से संघर्ष जारी रखा तथा ताराबाई उसकी संरक्षिका बनी।

V. शाहू [1707-1749] ई. (Shahu)

औरंगजेब ने 1689 ई. में शम्भाजी के साथ शम्भाजी के बेटे शाहू को भी बन्दी बना लिया था। 1707 ई. में बहादुर शाह प्रथम ने उसे मुक्त कर दिया। शाहू का राज्याभिषेक फरवरी, 1708 में सतारा में हुआ, जिसे उसने अपनी राजधानी बनाया था 1713 ई. में बालाजी विश्वनाथ को मराठा राज्य का पेशवा नियुक्त किया।

18. मध्यकालीन भारत में भक्ति व सूफी आन्दोलन (Bhakti and Sufi Movements in Medieval India)

मध्यकालीन भारत में मुसलमानों में सूफी सम्प्रदाय की प्रगति और हिन्दुओं में भक्ति मार्ग पर बल अथवा आंदोलन की प्रगति थी।

I. सूफी आंदोलन (Sufi Movement)

सूफी आंदोलन इस्लाम के रहस्यवादी तथा समन्वयवादी दर्शन की अभिव्यक्ति है। इसमें इस्लाम के बाह्य स्वरूप अथवा क्रिया–कलापों पर बल नहीं दिया जाता अपितु आंतरिक प्रेरणा, सदाचार, मानवता, ईश्वर के प्रति प्रेम आदि पर बल दिया जाता है। वे संगीत व उपदेशों के जरिए आर्ध्यात्मिकता का प्रचार करते थे। इन्होंने पिरी मुरीदी परम्परा का आरम्भ किया।

- सूफियों का मठ खानकाह कहलाता है, संघ को वस्ल एवं उनकी कब्र को दरगाह कहते हैं।
- अबु फजल की रचना अकबरनामा में **14** सूफी सिलसिलों का वर्णन है, जिसमें से **4** सिलसिले भारत में काफी लोकप्रिय हुए।

सूफी सिलसिले (Sufi Orders)

(i) चिश्ती सिलसिला (ii) सुहरावर्दी सिलसिला
(iii) कादिरिया सिलसिला (iv) नक्शवंदी सिलसिला

II. भक्ति आन्दोलन (Bhakti Movement)

प्रमुख मत और उनके प्रतिपादक (Major Opinions and their Exponents)

क्रमांक	प्रतिपादक	दर्शन	सम्प्रदाय	उपासना	मार्ग
1.	शंकराचार्य	अद्वैतवाद	स्मृति	निर्गुण	ज्ञान मार्ग
2.	रामानुजाचार्य	विशिष्ट–द्वैतवाद	श्री संप्रदाय	सगुण	भक्ति मार्ग
3.	निम्बकाचार्य	द्वैताद्वैतवाद	सनक संप्रदाय	सगुण	भक्ति मार्ग
4.	माधवाचार्य	द्वैतवाद	ब्रह्म संप्रदाय	सगुण	भक्ति मार्ग
5.	बल्लभाचार्य	शुद्धद्वैतवाद	रूद्र संप्रदाय	सगुण	भक्ति मार्ग

19. यूरोपीय कंपनियों का भारत आगमन (Advent of European Companies in India)

भारत में यूरोपीय वाणिज्यिक कंपनियों का आगमन 15वीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ। उनके आगमन का क्रम इस प्रकार है।

कंपनी	आगमन वर्ष	कंपनी	आगमन वर्ष
पुर्तगाली	1498 ई.	डेनिश	1616 ई.
अंग्रेज	1600 ई.	फ्रांसीसी	1664 ई.
डच	1602 ई.	स्वीडिश	1731 ई.

- **यूरोपियों की प्रथम फैक्ट्रियाँ–**

पुर्तगाली	:	कोचीन (केरल) (1502)
डच	:	मसुलीपट्टनम (आन्ध्र प्रदेश) (1605)
अंग्रेज	:	मसुलीपट्टनम (1611)
डेनिस	:	ट्रावनकोर (तंजौर) (1620)
फ्रांसीसी	:	सूरत (गुजरात) (1668)

कर्नाटक (आंग्ल–फ्रांसीसी युद्ध)
Carnatic Wars (Anglo-French Wars)

युद्ध	काल	संधि	परिणाम
प्रथम कर्नाटक युद्ध	1746–48 ई.	एक्स ला चैपल (1748)	फ्रांसीसी विजयी हुए
द्वितीय कर्नाटक युद्ध	1749–54 ई.	पाण्डिचेरी की संधि (1954)	अंग्रेजों का प्रभाव बढ़ा
तृतीय कर्नाटक युद्ध	1758–63 ई.	पेरिस की संधि (1763)	वाण्डिवाश के युद्ध के बाद फ्रांसीसी निर्णायक रूप से पराजित हुए

ब्रिटिशकालीन भूमिकर व्यवस्था
(Land Revenue System in British Period)

भू-राजस्व प्रणाली	कुल भूमि का प्रतिशत	लागू किये गये क्षेत्र	विशेष
इस्तमरारी बन्दोबस्त	19%	बिहार, बंगाल, उड़ीसा, मद्रास के उत्तरी जिले और बनारस जिले में	1793 में बिहार और बंगाल में कॉर्नवालिस द्वारा लागू
महलवारी बन्दोबस्त	30%	गंगा के दोआब, पश्चिमोत्तर प्रांत, मध्य भारत के कुछ भाग एवं पंजाब में	जमींदारी प्रथा का ही संशोधित रूप था।
रैयतवाड़ी बन्दोबस्त	51%	मद्रास और मुंबई प्रेसिडेंसी के कुछ भागों में	रीड तथा थॉमस मुनरो द्वारा प्रस्ताव दिया गया था।

20. प्रमुख सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन
(Famous Socio-Religious Reform Movements)

आंदोलन/संगठन	वर्ष	स्थान	संस्थापक
भारतीय सेवक समाज	1905	बंबई	गोपाल कृष्ण गोखले
रहनुमाई मज्दयासन सभा	1851	बंबई	नौरोजी, फुरदोनजी
बहिष्कृत हितकारिणी सभा	1924	बंबई	बी.आर. अम्बेडकर
सत्य शोधक समाज	1873	पुणे	ज्योतिबा फुले
हरिजन सेवक संघ	1932	पुणे	महात्मा गाँधी
वायकोम सत्याग्रह	1924	केरल	टी.के. माधवन, पेरियार रामास्वामी, एन. कुमारन
सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी	1905	बॉम्बे	गोपाल कृष्ण गोखले
खुदाई खिदमतगार आंदोलन	1929	उत्तर–पश्चिम सीमा प्रांत में पश्तून	खान अब्दुल गफ्फार खान
राधास्वामी आंदोलन	1861	आगरा	शिव दयाल सिंह

21. 1857 का विद्रोह
(Revolt of 1857)

विद्रोह के केन्द्र और उनके नेता
(Rebellion Centers and Their Leaders)

केन्द्र	नेता	समय	विद्रोह के दमनकर्ता	समर्पण का दिन
दिल्ली	बहादुर शाह जफर,	11 मई, 1857 बख्तखाँ (नेतृत्वकर्त्ता)	निकलसन, हडसन	20 सितंबर, 1857 ई.
कानपुर	तांत्या टोपे (रामचन्द्र पांडुरंग) नाना साहेब (धोंधू पंत)	5 जून, 1857	कैम्पबल	सितम्बर, 1857 ई.
लखनऊ	बेगम हजरत महल, बिरजिस कादिर	4 जून, 1857	कैम्पबल	मार्च, 1858 ई.
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	4 जून, 1857	जनरल ह्यूरोज	17 जून, 1858 ई.
ग्वालियर	तांत्या टोपे	1 जून, 1957	जनरल ह्यूरोज	18 जून, 1858 ई.
जगदीशपुर	कुँवर सिंह, अमर सिंह	12 जून, 1857	मेजर विलियम टेलर	दिसंबर, 1858 ई.
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	जून, 1857	सर रेनार्ड	5 जून, 1858 ई.
इलाहाबाद	लियाकत अली	जून, 1857	कर्नल नील	1858 ई.
बरेली	खान बहादुर	जून, 1857	विसेंट आयर	1858 ई.

22. राष्ट्रवादी आंदोलन का प्रथम चरण (1885–1905)
(First Stage of Nationalist Movement)

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress)**
  - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना 1885 में एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी **एलन ऑक्टेवियन ह्यूम** द्वारा की गई थी।
  - कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 28 दिसंबर, 1885 बंबई स्थित **ग्वालिया टैंक मैदान** के **गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय** में आयोजित किया गया था। इस अधिवेशन में कुल 72 सदस्यों ने हिस्सा लिया था। इसी सम्मेलन में दादा भाई नौरोजी के सुझाव पर भारतीय राष्ट्रीय संघ का नाम बदलकर भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस रखा गया।
  - पुणे में हैजा फैलने के कारण पहली बैठक का स्थान पुणे से बदलकर बॉम्बे कर दिया गया था।
  - **व्योमेश चंद्र बनर्जी** भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के **प्रथम अध्यक्ष** थे।
  - **काँग्रेस के प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष :** बदरुद्दीन तैय्यबजी (मद्रास, 1887)।
  - प्रथम पारसी अध्यक्ष दादाभाई नौरोजी थे।

प्रमुख संगठन (Important Organisations)

संस्था	वर्ष	संस्थापक	स्थान
लैण्ड होल्डर्स सोसाइटी	1838	द्वारिका नाथ टैगोर	कलकत्ता
ईस्ट इंडिया एसोसिऐशन	1866	दादा भाई नौरोजी	लंदन
इंडियन एसोसिएशन	1876	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी एवं आनंद मोहन बोस	कलकत्ता
बंबई प्रेसिडेन्सी एसोसिएशन	1885	फिरोज शाह मेहता	(मुम्बई)
भारत सेवक समाज	1905	गोपालकृष्ण गोखले	(मुम्बई)
होमरूल लीग	1916	ऐनी बेसन्ट व तिलक	पुणे
भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस	1920	**संस्थापक**—एम.एन, जोशी, **अध्यक्ष**—लाला लाजपत राय	लखनऊ
राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ	1925	के.पी. हेडगेवार	—
खुदाई खिदमतदगार	1925	खान अब्दुल गफ्फार खान	पेशावर
अखिल भारतीय किसान सभा	1936	एन.जी. रंगा व सहजानंद	लखनऊ
फारवर्ड ब्लाक	1939	सुभाष चन्द्र बोस	कलकत्ता

23. राष्ट्रवादी आन्दोलन का द्वितीय चरण (1905-1919) [Second Stage of Nationalist Movement (1905-1919)]

I. बंगाल विभाजन (Bengal Partition) (1905)

- बंगाल विभाजन का निर्णय कर्जन द्वारा **16 अक्टूबर, 1905** को लागू किया गया। इस विभाजन का निर्णय 19 जुलाई, 1905 में लिया गया। जिसके विरोध में रबीन्द्रनाथ टैगोर के सुझाव पर शोक दिवस मनाया गया तथा इस आन्दोलन का नेतृत्व सुरेन्द्र नाथ बनर्जी द्वारा किया गया।
- "संजीवनी" बंगाल विभाजन की घोषणा करने वाला प्रथम समाचार पत्र था।
- इसे 1911 में लॉर्ड हार्डिंग ने रद्द कर दिया था।

II. स्वदेशी और बहिष्कार (Swadeshi and Boycott) (1907)

- इसकी उत्पत्ति बंगाल के विभाजन विरोधी आंदोलन में हुई थी। पूरे बंगाल में सामूहिक सभाएँ हुईं जहाँ स्वदेशी या भारतीय सामानों के उपयोग और ब्रिटिश सामानों के बहिष्कार की घोषणा की गई और प्रतिज्ञा की गई।

III. सूरत विभाजन (Surat Split) (1905)

- कॉंग्रेस 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का गरम दल तथा नरम दल में विभाजन हो गया।
- उग्रवादियों का नेतृत्व लाल, बाल, पाल ने किया, जबकि नरमपंथियों का नेतृत्व गोपाल कृष्ण गोखले ने किया।

IV. मुस्लिम लीग का गठन (Formation of Muslim league) (1906)

- अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में **नवाब सलीमुल्लाह** के नेतृत्व में ढाका में की गई।

V. दिल्ली दरबार (Delhi Durbar) (1911)

- दिल्ली दरबार का आयोजन 1911 में वायसराय **लॉर्ड हार्डिंग** द्वितीय के समय **ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम** एवं **महारानी विलियन मैरी** के भारत आगमन पर उनके स्वागत हेतु किया गया।
- 1912 में कलकत्ता की जगह दिल्ली को भारत की राजधानी बनाया गया।

VI. गदर पार्टी (Ghadar party) (1913)

- ग़दर पार्टी का गठन लाला हरदयाल, तारकनाथ दास और सोहन सिंह बख्ना ने किया था
- संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में भारतीय क्रांतिकारी ने 1913 में ग़दर (विद्रोह) पार्टी की स्थापना की थी।
- पार्टी का निर्माण साप्ताहिक पत्र 'द ग़दर' के इर्द–गिर्द किया गया था, जिसमें अंग्रेजी राज का दुश्मन कैप्शन था।
- इसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में था।

VII. कामागाटामारू घटना (Komagata Maru Incident) (1914)

- यह एक जापानी जहाज था, जिसे प्रवासी भारतीयों को कनाडा पहुँचाने के लिए किराये पर लिया गया था, लेकिन उन्हें कनाडा नहीं उतरने दिया गया और वापस कलकत्ता लाया गया।
- अंग्रेजों ने यात्रियों को खतरनाक राजनीतिक आंदोलनकारी माना और उनमें से बाबा गुरदीत सिंह को गिरफ्तार करने की कोशिश की। पुलिस ने उन पर गोलियाँ चलाईं और इस घटना में 19 यात्रियों की मौत हो गई।
- इस आंदोलन का नेतृत्व रासबिहारी बोस और सचिन सान्याल ने किया।

VIII. लखनऊ समझौता (Lucknow pact) (1916)

- कॉंग्रेस के लखनऊ अधिवेशन (1916) में कॉंग्रेस से निष्कासित गरमपंथियों का कॉंग्रेस में पुनः प्रवेश हुआ तथा कॉंग्रेस–मुस्लिम लीग के बीच ऐतिहासिक लखनऊ समझौता।

IX. होम रूल आन्दोलन (Home Rule movement) (1916)

- तिलक द्वारा 28 अप्रैल, 1916 को **बेलगाँव (पूना)** में होमरूल लीग की स्थापना की गई।
- ऐनी बेसेन्ट ने अपनी लीग की स्थापना सितंबर 1916 में की।
- **वेलेन्टाइन शिरोल** ने अपनी पुस्तक **'इंडियन अनरेस्ट'** में तिलक को **'भारतीय अशांति का जनक'** कहा था।

X. गाँधी जी की भारत वापसी (Gandhiji's Return to India)

- गाँधीजी 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस आए।
- **गोपाल कृष्ण गोखले** को गाँधीजी ने अपना राजनीतिक गुरु बनाया।
- गाँधीजी ने अपनी पुस्तक **'हिन्द स्वराज'** में स्वराज की विस्तृत व्याख्या की।
- उन्होंने **नवजीवन (गुजराती)** एवं **यंग इंडिया (अंग्रेजी)** का संपादन किया। उन्होंने हरिजन पत्र का प्रकाशन 1933 में आरम्भ किया।
- **'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद् ट्रुथ'**, गाँधीजी की आत्मकथा है।
- गाँधीजी का सर्वप्रिय भजन **वैष्णव जन को तैनू कहिए** की रचना नरसिंह मेहता ने की थी।
- उन्होंने अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे **साबरमती आश्रम** की स्थापना की।
- गाँधीजी की हत्या **30 जनवरी, 1948** को दिल्ली के **बिड़ला भवन** में प्रार्थना सभा में जाते हुए **नाथूराम गोडसे** ने कर दी।
- गाँधीजी ने 1932 में हरिजन कल्याण हेतु अखिल भारतीय छुआछूत विरोधी लीग की स्थापना की तथा हरिजन पत्र निकाला।

XI. चंपारण सत्याग्रह (Champaran Satyagraha) (1917)

- गाँधीजी ने 1917 में चम्पारण सत्याग्रह की शुरुआत की।
- पं. राजकुमार शुक्ल ने गाँधी जी को जबरन नील की खेती करने वाले कृषकों की दशा से अवगत कराया था और उन्हें आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए मनाया था।
- यह पहला सविनय अवज्ञा आंदोलन था।
- यह नील किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए था (तिनकाठिया प्रणाली)

XII. अहमदाबाद मिल हड़ताल (Ahmedabad Mill Strike) (1918)

- अहमदाबाद के मिल मालिकों और श्रमिकों के बीच विवादों को निपटाने के लिए गांधी जी की यह पहली भूख हड़ताल थी।

XIII. खेड़ा सत्याग्रह (Kheda Satyagraha) (1918)

- यह पहला असहयोग आंदोलन था।
- फसलों की विफलता के कारण गांधी के साथ किसानों ने राजस्व कोड के आधार पर छूट प्राप्त करने के लिए राजस्व रोक दिया

24. राष्ट्रवादी आन्दोलन का तृतीय चरण (1919-1947) [Third Stage of Indian National Movement]

I. रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act) 1919

- 1919 में जस्टिस रॉलेट की अध्यक्षता वाली सेडिशन कमेटी ने रॉलेट एक्ट को पेश किया। इस अधिनियम ने सरकार को किसी भी व्यक्ति को अदालत द्वारा बिना किसी मुकदमे और दोषसिद्धि के 2 साल के लिए कैद करने के लिए अधिकृत किया।
- इसके परिणामस्वरूप देशव्यापी आंदोलन हुआ और असहयोग आंदोलन की नींव पड़ी।
- इसे **'बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील'** का कानून कहा गया।

II. जलियाँवाला बाग हत्याकांड (Jallianwala Bagh Massacre) (1919)

- अमृतसर के जलियाँवाला बाग में **13 अप्रैल, 1919** को (बैशाखी का दिन) **किचलू, सत्यपाल** की गिरफ्तारी के विरुद्ध एक शांतिपूर्ण सभा का आयोजन किया गया।
- सभा स्थल पर मौजूद **जनरल डायर** ने बिना किसी सूचना के भीड़ पर गोलियाँ चलवा दीं, जिसमें करीब 1000 लोग मारे गये।
- इस हत्याकांड के विरोध में **रवीन्द्रनाथ टैगोर** ने **नाइट हुड (सर)** की उपाधि वापस कर दी। वायसराय की कार्यकारणी के सदस्य **शंकर नायर** ने त्याग-पत्र दे दिया।
- सरकार ने हत्याकांड की जाँच के लिए **हंटर आयोग** गठित किया।

III. खिलाफत आंदोलन (Khilafat Movement) (1919-1924)

- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान तुर्की ने अंग्रेजों के खिलाफ जर्मनी और ऑस्ट्रिया के साथ गठबंधन किया। भारतीय मुसलमान तुर्की के सुल्तान को अपना आध्यात्मिक नेता खलीफा मानते थे।
- ब्रिटिश सरकार ने 10 अगस्त, 1920 को संपन्न **सीवर्स की संधि द्वारा तुर्की का विभाजन कर दिया। अतः मोहम्मद अली** और **शौकत अली** ने खिलाफत आंदोलन की शुरुआत की।
- गाँधीजी द्वारा कांग्रेस अधिवेशन, 1920 में खिलाफत आन्दोलन में सहयोग देने का प्रस्ताव रखा, जिसका जिन्ना द्वारा विरोध किया गया।

IV. असहयोग आंदोलन (Non-Coperation movement) (1920)

- यह गाँधी के अधीन पहला जन आधारित राजनीतिक आंदोलन था।
- सितंबर, 1920 में **लाला लाजपत राय** की अध्यक्षता में **कलकत्ता** के विशेष अधिवेशन में महात्मा गाँधी ने असहयोग प्रस्ताव स्वयं पेश किया।
- गाँधीजी ने अहसहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को शुरू किया। इसी दिन तिलक की मृत्यु हो गई।
- निर्णय सरकार के साथ सबसे शांतिपूर्ण तरीके से सहयोग नहीं करने का था।
- वर्ष 1922 की चौरी–चौरा (गोरखपुर) घटना के कारण गाँधीजी ने यह आंदोलन समाप्त कर दिया।
- इस घटना को गाँधीजी ने हिमालय जैसी भूल बताया।

V. काकोरी कांड (Kakori Conspiracy) (1925)

- 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के **काकोरी** नामक स्थान पर **8 डाउन ट्रेन** पर डकैती डाली और सरकारी खजाने को लूट लिया। इस घटना को **'काकोरी कांड'** कहा जाता है। इस घटना में **राम प्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला, रोशन लाल** व **राजेन्द्र लाहिड़ी** को फाँसी दी गई।

VI. साइमन कमीशन (Simon Commission) (1927)

- 1927 में ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में साइमन कमीशन की नियुक्ति की।
- इस अधिवेशन का प्रमुख लक्ष्य भारत सरकार की संरचना सुधार के लिए सुझाव देना था।
- इसमें कोई सदस्य भारतीय नहीं था इसलिए इसका भारत में भारी विरोध हुआ। इसे श्वेत कमीशन भी कहा गया।

- भारत में आयोग के आगमन से एक शक्तिशाली विरोध हुआ। 3 फरवरी, 1928 को साइमन गो बैक के नारे के तहत आयोग का स्वागत हड़ताल और काले झंडे के प्रदर्शन के साथ किया गया।
- 1928 में साइमन कमीशन का विरोध करते समय **पंजाब केसरी लाला लाजपत राय** की पिटाई के कारण मृत्यु हो गई। भगत सिंह, राजगुरु और चन्द्रशेखर ने इसका बदला सांडर्स की हत्या करके लिया। यह घटना **'लाहौर षड्यंत्र'** कहलाती है।

VII. क्रांतिकारी गतिविधियाँ (Revolutionary Activities)

- भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने **8 अप्रैल, 1929** को दिल्ली के **केन्द्रीय विधानमंडल में बम फेंका**। इसी समय भगत सिंह ने **इन्कलाब जिन्दाबाद का नारा लगाया**।
- 23 मार्च, 1931 को लाहौर षड्यंत्र केस में **भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु** को फाँसी दे दी गई।
- 27 फरवरी, 1931 को इलाहाबाद के **अल्फ्रेड पार्क** में पुलिस मुठभेड़ के दौरान **चन्द्रशेखर आजाद** ने स्वयं को गोली मार ली।
- साइमन कमीशन का गठन 8 नवंबर, 1927 को जॉन साइमन की अध्यक्षता में किया गया। इस अधिवेशन का प्रमुख लक्ष्य भारत सरकार की संरचना सुधार के लिए सुझाव देना था।
- इसमें कोई सदस्य भारतीय नहीं था इसलिए इसका भारत में भारी विरोध हुआ। इसे श्वेत कमीशन भी कहा गया।
- आयोग के विरोध में लाहौर में लाठी की गहरी चोट लगने के कारण लाला लाजपत राय की अक्टूबर, 1928 में मृत्यु हो गई।

VIII. नेहरू रिपोर्ट (Nehru Report) (1928)

- **मोतीलाल नेहरू** की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति ने यह रिपोर्ट 28 अगस्त, 1928 को प्रस्तुत की गई।
- यह भारत के लिए एक संवैधानिक ढाँचे का मसौदा तैयार करने का पहला प्रमुख भारतीय प्रयास था।

IX. जिन्ना की चौदह सूत्री मांगें (14 points of jinnah) (1929)

- मुस्लिम लीग के नेता जिन्ना ने नेहरू रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया और चौदह मांगों की एक सूची तैयार की, जो जिन्ना के 14 बिंदुओं के रूप में प्रसिद्ध हुई।

X. लाहौर अधिवेशन (Lohore Session) (1929)

- लाहौर अधिवेशन के दौरान रावी नदी के तट पर 31 दिसंबर, 1929 की आधी रात को जवाहरलाल नेहरू ने तिरंगा झंडा फहराया।
- इस अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी।
- इस अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू द्वारा पूर्ण स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता) का प्रस्ताव पारित किया गया।

XI. सविनय अवज्ञा आन्दोलन और दांडी मार्च (Civil Disobedience Movement and Dandi March) (1930)

- गाँधीजी ने 12 मार्च, 1930 को अपने 78 अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम से दाण्डी (नौसारी, गुजरात) तक 400 किमी. की यात्रा की और 6 अप्रैल, 1930 को दाण्डी में नमक कानून का उल्लंघन किया और देशभर में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया। इसे नमक आन्दोलन भी कहा जता है।
- उत्तर–पश्चिमी सीमा प्रांत में सीमांत गाँधी के नाम से प्रसिद्ध **खान अब्दुल गफ्फार खाँ** ने अपने **खुदाई खिदमतगार** (ईश्वर के सेवक) संगठन द्वारा लाल कुर्ती आन्दोलन प्रारम्भ किया।
- गाँधी–इरविन समझौता (05 मार्च 1931) को सम्पन्न हुआ।
- डॉ. जयकर और तेजबहादुर सपू ने गाँधीजी और इरविन के बीच के समझौते के हस्ताक्षरित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- इस समझौते के अंतर्गत सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित किया गया, भारतीयों को नमक बनाने का अधिकार मिला और गाँधीजी ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का फैसला किया।

XII. गोलमेज सम्मेलन (Roundtable Conference)

- 12 नवंबर, 1930 से 13 जनवरी, 1931 तक प्रथम गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया।
- दूसरा गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 7 सितंबर, 1931 से 11 दिसंबर 1931 में किया गया तथा काँग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि गाँधीजी थे।
- तीसरे गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 17 नवबंर से 24 दिसंबर, 1932 में किया गया तथा काँग्रेस इसमें शामिल नहीं हुई।
- **तेजबहादुर सप्रू** व **अम्बेडकर** तीनों गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले नेता थे।

XIII. सांप्रदायिक अवार्ड और पूना समझौता (Communal Award and Poona Pact) (1932)

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री मैकडोनाल्ड ने 16 अगस्त, 1932 को साम्प्रदायिक पंचाट की घोषणा की। इसमें पृथक् निर्वाचक पद्धति को मुसलमानों के साथ–साथ दलित वर्गों पर भी लागू किया गया।
- सांप्रदायिक पंचाट के विरुद्ध गाँधीजी ने **यरवदा जेल** में **20 सितंबर, 1932** को आमरण अनशन शुरू कर दिया। अंततः महात्मा गाँधी व भीमराव अम्बेडकर के बीच 23 दिसंबर, 1932 को **'पूना समझौता'** हुआ।
- इस समझौते के अंतर्गत प्रांतीय विधान मंडलों में दलित वर्ग के लिए **71** की जगह **148 सीटें** आरक्षित की गईं और केन्द्रीय विधानमंडल में दलित वर्ग के लिए **18 प्रतिशत** सीटें आरक्षित की गईं।

XIV. भारत सरकार अधिनियम (Government of India Act, 1935) (1935)

- 1935 के अधिनियम के अंतर्गत 1937 में प्रांतीय चुनाव हुए।
- पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1935 के अधिनियम को दासता का अधिकार पत्र कहा गया। सी. राजगोपालाचारी ने इसे द्वैध शासन से भी बुरा बताया।
- काँग्रेस को **बिहार, उड़ीसा, मद्रास, मध्य प्रांत** एवं **संयुक्त प्रांत** में पूर्ण बहुमत मिला। केवल **पंजाब, सिन्धु** और **बंगाल** में काँग्रेस को बहुमत नहीं मिल पाया।
- **28 माह** के शासन के बाद **1 सितंबर, 1939** को द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण कांग्रेस मंत्रिमंडलों द्वारा त्याग-पत्र दिया गया।

XV. अगस्त ऑफर (August Offer) (1940)

- लिनलिथगो ने 8 अगस्त, 1940 को अगस्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसमें भारत को **डोमेनियन स्टेट** का दर्जा देने की बात कही गई।
- इसने संविधान को लागू करने के लिए एक युद्धोत्तर निकाय का प्रावधान किया।
- इसने एक युद्ध सलाहकार परिषद् की स्थापना का प्रावधान किया।

XVI. व्यक्तिगत सत्याग्रह (Individual Satyagraha)

- व्यक्तिगत सत्याग्रह 17 अक्टूबर को महाराष्ट्र के पवनार आश्रम से शुरू हुआ। गाँधीजी ने प्रथम सत्याग्राही के रूप में **विनोबा भावे** को मनोनीत किया। **जवाहरलाल नेहरू** दूसरे सत्याग्रही थे। इस आंदोलन को **'दिल्ली चलो सत्याग्रह'** भी कहा जाता है।

XVII. क्रिप्स मिशन (Cripps mission) (1942)

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने 11 मार्च, 1942 को स्टेफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन की घोषणा की।
- इसके अनुसार युद्ध के बाद **भारत को डोमेनियन राज्य** का दर्जा एवं संविधान निर्मात्री परिषद् बनाने का प्रस्ताव था।
- गाँधीजी ने क्रिप्स प्रस्तावों को **पोस्ट डेटेड चेक** (Post dated cheque) कहा।

XVIII. भारत छोड़ो आन्दोलन (Quit India Movement) (1942)

- यह आंदोलन 8 अगस्त, 1942 में आरंभ हुआ तथा आंदोलन के समय गाँधीजी ने **'करो या मरो'** (Do or die) का नारा दिया।
- गाँधीजी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सरोजिनी नायडू आदि को **ऑपरेशन जीरो ऑवर के तहत** गिरफ्तार कर लिया गया।
- अरुणा असफ अली 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में गुप्त गतिविधियों की एक मुख्या महिला संगठनकर्ता थी।
- इसे वर्धा प्रस्ताव या भारत छोड़ो आंदोलन नेतृत्वविहीन विद्रोह भी कहा जाता है।

XIX. पाकिस्तान संकल्प (Pakistan Resolution)

- मुस्लिम लीग ने पहली बार 1940 में अपने लाहौर अधिवेशन में अलग पाकिस्तान का प्रस्ताव पारित किया (जिन्ना का दो राष्ट्र सिद्धांत कहा जाता है)।
- यह सिकंदर हयात खान द्वारा तैयार किया गया था, फजलुल हक द्वारा स्थानांतरित किया गया था और खलीकुज्जमां द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- इसने भारत सरकार अधिनियम, 1935 में परिकल्पित संघीय योजना को अस्वीकार कर दिया।

XX. आजाद हिन्द फौज (Azad Hind Fauj)

- सितंबर, 1941 में **कैप्टन मोहन सिंह** ने मलाया में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की। सुभाष चन्द्र बोस ने अक्टूबर 1943 में **सिंगापुर** में **आजाद हिन्द फौज** की स्थापना कर उसमें नई जान डाली।
- रास बिहारी बोस द्वारा में 1942 बैंकाक में भारतीय स्वतंत्रता लीग की स्थापना की गई। इस लीग का विलय आजाद हिन्द फौज में कर दिया गया।
- यहीं पर सुभाष चंद्र बोस ने–**'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा'** और **'दिल्ली चलो'** का नारा दिया। 6 जुलाई, 1944 को आजाद हिन्द रेडियो के प्रसारण में बोस ने गाँधीजी को **'राष्ट्रपिता'** कह कर संबोधित किया।

XXI. शिमला सम्मेलन या वेवेल योजना (Shimla Covention or Wavell Scheme)

- वर्ष 1945 में लॉर्ड वैवेल ने एक योजना प्रस्तुत की तथा इसके अनुसार 25 जून, 1945 को शिमला सम्मेलन शुरू हुआ। इसमें काँग्रेस का नेतृत्व अबुल कलाम आजाद ने किया।

XXII. कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission)

- कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 को भारत आया। **सर स्टेफर्ड क्रिप्स** (अध्यक्ष–बोर्ड ऑफ ट्रेड), **अलेक्जेंडर** (नौसेना मंत्री) और **पेथिक लारेंस** (भारत सचिव) इसके सदस्य थे।
- कैबिनेट मिशन योजना के अंतर्गत जुलाई, 1946 में संविधान सभा का गठन किया गया। इस योजना के तहत पृथक् पाकिस्तान की माँग को अस्वीकार कर दिया गया।

XXIII. जिन्ना की सीधी कार्रवाही का संकल्प (Jinnah Direct Action Resolution)

- 16 अगस्त, 1946 को मुस्लिम लीग ने सीधी कार्यवाही दिवस की शुरुआत की।
- कलकत्ता नोआखली और गढ़मुक्तेश्वर तूफान के केंद्र थे। 27 मार्च, 1947 को जिन्ना ने पाकिस्तान दिवस मनाया।

XXIV. अंतरिम सरकार (Interim Goverment) (1942)

- 2 सितंबर, 1946 को नेहरू की अध्यक्षता में **अंतरिम सरकार** का गठन हुआ।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर, 1946 ई. को सच्चिदानन्द सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। वह संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष थे।

XXV. एटली का बयान (Atlee's Declaration)

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने **हाउस ऑफ कॉमन्स** में 20 फरवरी, 1947 को यह घोषणा की कि अंग्रेज जून, 1948 के पहले भारतीयों को सौंप दिया जायेगा।
- सत्ता के हस्तांतरण के लिए 30 जून, 1948 की समय सीमा तय की गई थी, भले ही भारतीय राजनेता उस समय तक संविधान पर सहमत नहीं थे।
- इस योजना को डिकी बर्ड योजना भी कहा जाता है।

XXVI. माउंटबेटन योजना (3 जून, 1947) [Mountbatten Plan (3 Jun, 1947)]

- 3 जून योजना के अनुसार विभाजन के मामले में दो डोमिनियन और दो संविधान सभाएं बनाई जाएंगी। योजना ने घोषणा की कि 15 अगस्त, 1947 तक सत्ता सौंप दी जाएगी।
- **लॉर्ड माउंटबेटन** को भारत का **नया वायसराय** नियुक्त किया गया।
- लॉर्ड माउंटबेटन 22 मार्च, 1947 को भारत के 34वें और अंतिम ब्रिटिश गवर्नर जनरल बनकर भारत आये।
- माउंटबेटन ने 15 अगस्त, 1947 को भारतीयों को सत्ता सौंपने का दिन निर्धारित किया।

XXVII. भारत स्वतन्त्रता अधिनियम (1947) (India Independence Act, 1947)

- ब्रिटिश संसद ने 18 जुलाई, 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 पारित किया।
- 14 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान और 15 अगस्त, 1947 को भारत अस्तित्व में आया।

25. ब्रिटिश काल में भारत में शिक्षा का विकास (Educational Development in British Period)

- मैकाले ने भारत में शिक्षा के लिए अंग्रेजी और पश्चिमी अवधारणाओं की शुरूआत में एक प्रमुख भूमिका निभाई और 1835 में "मैकाले के मिनट" में इस विषय पर अपना तर्क प्रकाशित किया। इसने सर्वप्रथम संस्कृत भाषा पर कुठारघात किया।
- **चार्ल्स वुड का डिस्पैच (1854)**—इसे **भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा** भी कहा जाता है।
- **मद्रास, कलकत्ता** और **मुंबई** में तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना शामिल थी।
- 1904 में भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित हुआ।
- **हंटर आयोग (1882-83)**—का गठन लॉर्ड रिपन के कार्यकाल में किया गया। स्त्री शिक्षा इस आयोग की सिफारिशों में से एक थी।
- हंटर कमीशन ने **प्राथमिक शिक्षा** के प्रसार पर बल दिया।
- **रैले कमीशन (1902)**—वायसराय लॉर्ड कर्जन के कार्यकाल में इसका गठन किया गया।
- रैले की अध्यक्षता में **विश्वविद्यालय आयोग** की स्थापना हुई।
- **वर्धा योजना (1937)**—में गाँधीजी ने सात से चौदह वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था की।
- कोलकाता में हिंदू कॉलेज की स्थापना राजा राममोहन राय ने 20 जनवरी, 1817 में की थी। हिंदू कॉलेज को वर्तमान में प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है या विश्वविद्यालय कला, विज्ञान और मानविकी के क्षेत्रों में चालक तथा चालक पद पर अध्ययन के लिए एक श्रेष्ठ भारतीय शिक्षा प्रतिष्ठान है।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. हड़प्पा के लोग किस धातु का उपयोग नहीं जानते थे?
(A) ताँबा (B) काँसा
(C) सोना (D) लौह

2. निम्नलिखित में से कौन–सा पुरातात्विक स्थल सिंधु घाटी सभ्यता से सम्बन्धित नहीं है?
(A) आहड़ (B) राखीगढ़ी
(C) कालीबंगा (D) सुरकोटदा

3. जुते हुए खेत का प्रमाण सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से मिला है?
(A) कालीबंगा (B) दैमाबाद
(C) लोथल (D) आलमगीरपुर

4. 'सूती–वस्त्र' के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं—
(A) मोहनजोदड़ो में (B) हड़प्पा में
(C) कालीबंगा में (D) लोथल में

5. सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राप्त पशुपति शील पर किस जानवर का अंकन नहीं है?
(A) हाथी (B) गाय
(C) गैंडा (D) बाघ

6. दिल्ली के किस सुल्तान ने स्वयं को नियामत–ए–खुदाई कहा था?
(A) इल्तुतमिश
(B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) बलबन
(D) ग्यासुद्दीन तुगलक

7. निम्नलिखित में से किस स्थान का पुनः नामकरण अल्लाउद्दीन खिलजी द्वारा खिजरावाद कर दिया?
(A) रणथम्भौर (B) भीनमाल
(C) जालोर (D) चित्तौड़

8. इब्न बतूता के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा सत्य है?
(i) वह मोरक्को से था
(ii) वह मुहम्मद बिन तुगलक के समय भारत आया था।
(iii) उसने 'रेहला' लिखा था
(A) केवल (i) व (ii)
(B) केवल (ii) व (iii)
(C) केवल (i) व (iii)
(D) सभी सत्य हैं

9. कुतुबुद्दीन ऐबक का उत्तराधिकारी कौन था ?
(A) आरामशाह (B) कैकुबाद
(C) इल्तुतमिश (D) नासीरुद्दीन

10. निम्नलिखित में से किस सिख गुरु ने गुरुमुखी लिपि की शुरुआत की?
(A) गुरु अंगद देव (B) गुरु अर्जुन देव
(C) गुरु नानक (D) गुरु गोबिन्द सिंह

11. मुगल वंश की स्थापना भारत में हुई–
(A) 1426 में (B) 1526 में
(C) 1626 में (D) 1726 में

12. प्रथम आंग्ल–सिख युद्ध निम्नलिखित में से किन वर्षों में हुआ था?
(A) 1772-73 (B) 1845-46
(C) 1818-19 (D) 1830-31

13. सिराजुद्दौला की हार, ... के युद्ध में हुई थी।
(A) बक्सर (B) वांडीवाश
(C) प्लासी (D) इनमें से कोई नहीं

14. निम्नलिखित में से कौन ब्रह्म समाज के संस्थापक थे ?
(A) स्वामी दयानंद सरस्वती
(B) महादेव गोविंद रानाडे
(C) केशव चंद्र सेन
(D) राजा राममोहन राय

15. निम्नलिखित में से कौन–सा लॉर्ड कर्जन का योगदान नहीं था ?
(A) पुलिस सुधार
(B) बंगाल विभाजन
(C) सेना एवं न्यायिक सुधार
(D) सती प्रथा पर रोक

16. सत्यशोधक समाज की स्थापना हुई थी—
(A) 1873 में (B) 1875 में
(C) 1867 में (D) 1878 में

उत्तरमाला

1. (D) **2.** (A) **3.** (A) **4.** (A) **5.** (B)
6. (C) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (A) **10.** (A)
11. (B) **12.** (B) **13.** (C) **14.** (D) **15.** (D)
16. (A)

❐❐

अध्याय
1

मध्य प्रदेश : एक दृष्टि में

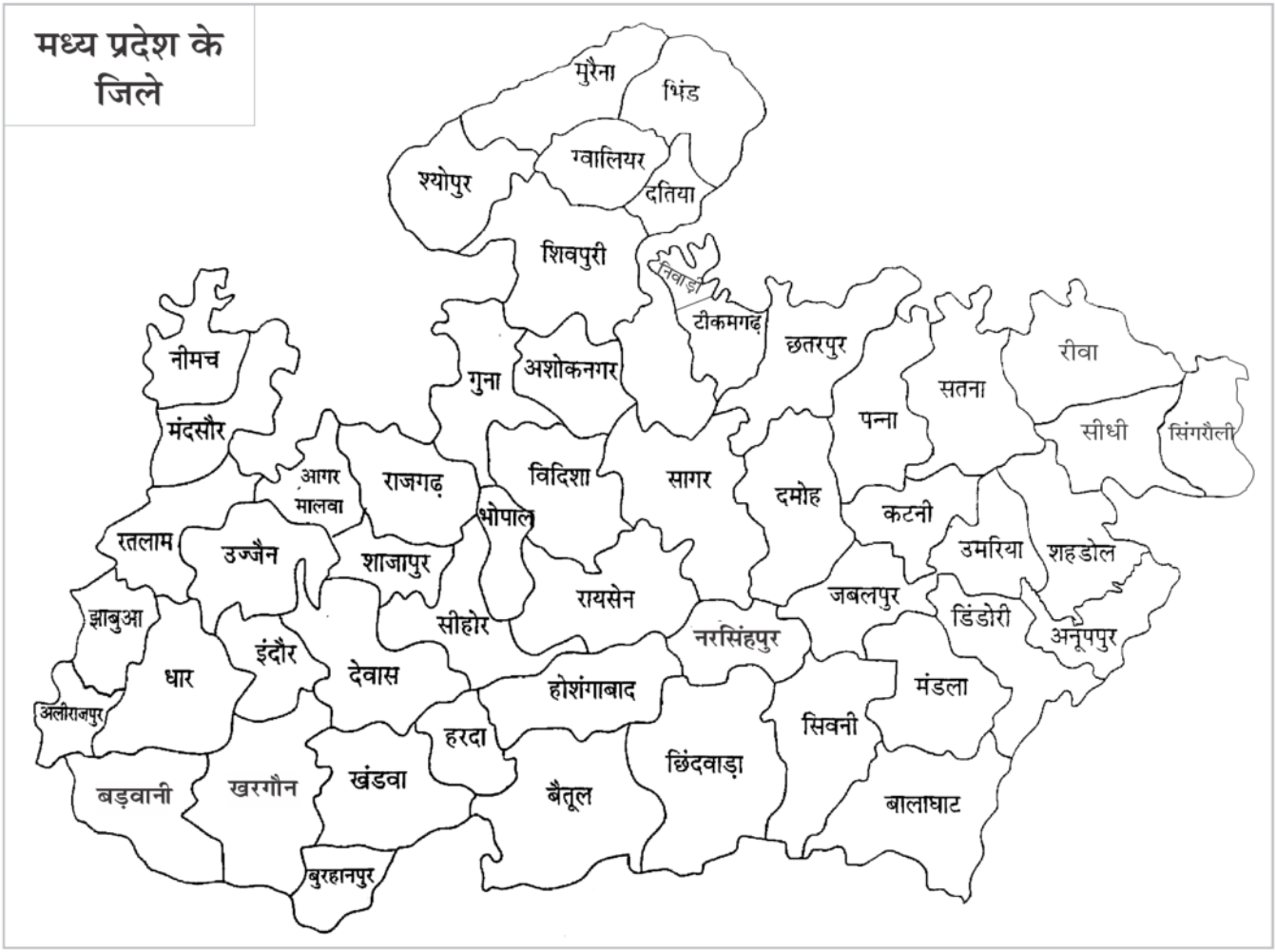

1. मध्य प्रदेश : एक दृष्टि में

राज्य का नाम	: मध्य प्रदेश (जवाहरलाल नेहरू द्वारा दिया गया)
अन्य नाम	: सोया प्रदेश, हृदय प्रदेश, मध्य भारत, लघु भारत, कोहिनूर प्रदेश, जनजाति प्रदेश, नदियों का मायका, सेन्ट्रल प्रोविंसेस और बरार, टाइगर स्टेट, दक्षिणापथ, वुल्फ प्रदेश घड़ियाल प्रदेश रेवोन्तर (वैदिक साहित्य में)
राजधानी	: भोपाल (1 नवम्बर, 1956 से)
मध्य प्रदेश की प्रशासनिक राजधानी	: भोपाल
मध्य प्रदेश की संस्कार राजधानी	: जबलपुर
मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी	: इंदौर
मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी	: सिंगरौली
मध्य प्रदेश सौर ऊर्जा राजधानी	: रांची (रायसेन)

मध्य प्रदेश की न्यायिक राजधानी	: जबलपुर
मध्य प्रदेश की खेल राजधानी	: इंदौर
मध्य प्रदेश की पर्यटक राजधानी	: पचमढ़ी (होशंगाबाद)
मध्य प्रदेश की संगीत राजधानी	: मैहर (सतना)
राज्य दिवस	: 1 नवम्बर
स्थापना दिवस	: 1 नवम्बर, 1956
राज्य का अन्तिम पुनर्गठन	: 1 नवम्बर, 2000
ज्यामितीय आकृति	: आयताकार
राजकीय भाषा	: हिन्दी
अन्य भाषाएँ	: उर्दू व अन्य क्षेत्रीय भाषाएँ
राजकीय चिह्न	: चौबीस स्तूप आकृति के अंदर एक वृत्त है, जिसमें गेहूँ और धान की बालियाँ तथा बरगद वृक्ष के ऊपर अशोक स्तम्भ दर्शित हैं।

राजकीय पुष्प		सफेद लिली/पलास (लिलियम कैण्डीडम)
राजकीय पशु		बारहसिंगा (रुसवर्स डुबाउसेली) बेडरी प्रजाति (1 नव. 1981 को घोषित)
राजकीय पक्षी		दूधराज (शाही बुलबुल) (पैराडाइज फ्लाई कैचर) (1 नव. 1981 को घोषित)
राजकीय वृक्ष		बरगद (फाइकस बैनगेलेंसिस) (वट वृक्ष)
राजकीय मछली		महाशीर (टौरप्यूटीटोरा) (वर्ष 2011 में घोषित)
राजकीय नाट्य		माच (मालवा क्षेत्र)
राजकीय नृत्य		राई (बुन्देलखण्ड क्षेत्र)
राजकीय फसल		सोयाबीन (ग्लाईसिन मैक्स)
राजकीय खेल		मल्लखम्ब (10 अप्रैल, 2013 में घोषित)
राजकीय नदी		नर्मदा
राजकीय फल		आम (मेगीफेरा इंडिका)
राजकीय गान		सुख का दाता सबका साथी, शुभ का यह संदेश है। माँ की गोद, पिता का आश्रय, मेरा मध्य प्रदेश है। (वर्ष 2010 में घोषित) (रचयिता : महेश श्रीवास्तव)
राज्य का सर्वप्रथम गठन		1 नवम्बर, 1956 ई.
मध्य प्रदेश में ब्रिटिश शासन का सर्वप्रथम आधिपत्य हुआ		11 दिसम्बर, 1883
स्वतन्त्रता पूर्व सेन्ट्रल प्रोविंस (केन्द्रीय व्यापक प्रांत) का गठन हुआ		2 नवम्बर, 1816
राज्य का उत्तर से दक्षिण विस्तार		605 किमी. लम्बाई
राज्य का पूर्व से पश्चिम विस्तार		870 किमी. चौड़ाई
राज्य सीमा को स्पर्श करने वाले राज्यों की संख्या		5 (उ.प्र., महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात) (सबसे कम सीमा गुजरात राज्य से और सर्वाधिक उत्तर प्रदेश राज्य से लगती है)
उत्तर प्रदेश से सीमावर्ती जिलों की संख्या		13 (मुरैना, भिंड, दतिया, निमाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सिंगरौली, शिवपुरी, अशोक नगर, सागर)
म.प्र. के साथ सीमा बनाने वाले राजस्थान के जिले		10 (बांसबाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा, झालावाड़, बाराँ, सवाईमाधोपुर, करौली, धौलपुर
राजस्थान से सीमावर्ती जिलों की संख्या		10 (मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर–मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ)
महाराष्ट्र से सीमावर्ती जिलों की संख्या		9 (खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, अली-राजपुर, बड़वानी)
म.प्र. के साथ बनाने वाले महाराष्ट्र के जिले		8 (नंदुरबार, धुले, जलगाँव, वुल्ढाना, अमरावती, नागपुर, भण्डारा, गोंदिया)
छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे जिले		7 (सिंगरौली, सीधी, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, बालाघाट, मंडला)
म.प्र. के साथ सीमा बनाने छत्तीसगढ़ के जिले		7 (बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, राजनंदगाँव)
गुजरात की सीमा से सटे जिले		2 (झाबुआ, अली-राजपुर)
म.प्र. के साथ सीमा बनाने गुजरात के जिले		2 (दाहोद, छोटा उदयपुर)
मध्य प्रदेश की सर्वाधिक सीमा स्पर्श करने वाला राज्य		राजस्थान (1600 किमी.)
म.प्र. के साथ सीमा बनाने वाले उ.प्र. के जिले		12 (आगरा, इटावा, जालौन, झाँसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बाँदा, चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर)
भारत के भौगोलिक केन्द्र का गाँव		करौंदी (कटनी)
राज्य की भौगोलिक स्थिति		21°6', उत्तरी अक्षांश से 26°30' उत्तरी अक्षांश तक तथा 74°9' पूर्वी देशान्तर से 82°48' पूर्वी देशान्तर के मध्य
राज्य की उत्तरी सीमा पर कौन–सा राज्य स्थित है?		उत्तर प्रदेश
राज्य की दक्षिणी सीमा किस राज्य के साथ मिलती है?		महाराष्ट्र
राज्य की पूर्व दिशा में कौन–सा राज्य स्थित है?		छत्तीसगढ़
राज्य की पश्चिमी सीमा कौन–से राज्यों से मिलती है?		राजस्थान, गुजरात
कर्क रेखा राज्य के कितने जिलों से गुजरती है?		14 जिलों से (रतलाम, उज्जैन, आगर–मालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, उमरिया तथा शहडोल)

2. मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के उपनाम/उपाधियाँ

उपनाम/उपाधियाँ	व्यक्ति
भारत का शेक्सपियर	कालिदास
शहीद	चन्द्रशेखर आजाद
स्वर साम्राज्ञी	लता मंगेशकर
बुन्देलखण्ड का शिवाजी	छत्रसाल
संगीत सम्राट	तानसेन
सरोद सम्राट	अलाउद्दीन खाँ
गोली	शंकर लक्ष्मण
कठिन काव्य का प्रेत	आचार्य केशवदास
मालवा का कबीर	संत सिंगाजी
दादा	स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़
आधुनिक चाणक्य	पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र
एक भारतीय आत्मा	माखनलाल चतुर्वेदी
रानी लक्ष्मीबाई	मनु
रामगढ़ की झाँसी की रानी	रानी अवंतीबाई
मध्य प्रदेश के विधि पुरुष	कुंजीलाल दुबे
राजमाता	विजयाराजे सिंधिया
लोकमाता/देवी	अहिल्याबाई होल्कर
भाजपा के पितृ पुरुष	कुशाभाऊ ठाकरे
दादा मुनि	अशोक कुमार
भगवान रजनीश/ओशो	राजेन्द्र जैन
दिग्गी राजा	दिग्विजय सिंह
कैप्टन	सैयद मुश्ताक अली
ताई	सुमित्रा महाजन
वुल्डोजर	बाबूलाल गौर
दादा	नरोत्तम मिश्रा

3. मध्य प्रदेश के प्रमुख संगठनों/संस्थानों के कार्यालय या मुख्यालय

संस्थान	मुख्यालय
मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग	भोपाल
म.प्र. लोकायुक्त कार्यालय	भोपाल
म.प्र. सूचना आयोग (1981)	भोपाल
मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग	भोपाल
मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग	भोपाल
म.प्र. राज्य अल्पसंख्यक आयोग	भोपाल
मध्य प्रदेश की राजधानी	भोपाल
मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (1956) गठन राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 118(3) के अनुसार	इंदौर
मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय	जबलपुर
मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ	इंदौर व ग्वालियर
मध्य प्रदेश राज्य सचिवालय	भोपाल
मध्य प्रदेश राज्य खनिज निगम	भोपाल
मध्य प्रदेश चर्म विकास निगम	भोपाल
मध्य प्रदेश महालेखाकार कार्यालय	ग्वालियर
म.प्र. बैडमिन्टन एसोसिएशन (1946)	जबलपुर
मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल मुख्यालय	जबलपुर
मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	भोपाल
जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी (1986)	सागर
म.प्र. राज्य योजना आयोग	भोपाल
म.प्र. ऊर्जा विकास निगम	भोपाल
ध्रुपद संगीत अकादमी	भोपाल
म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण	जबलपुर
प्रशासनिक अकादमी	भोपाल
माटी कला बोर्ड	भोपाल
इको पर्यटन विकास बोर्ड	भोपाल
म.प्र. बीज तथा फार्म विकास निगम (1980)	भोपाल
मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम	भोपाल
मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (1969)	भोपाल
मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (1965)	भोपाल
मध्य प्रदेश वस्त्रोद्योग मण्डल (1972)	भोपाल
मध्य प्रदेश माइनिंग कॉर्पोरेशन	भोपाल
मध्य प्रदेश वित्त निगम	इंदौर
मध्य प्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज कॉर्पोरेशन	भोपाल
मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड	भोपाल

4. मध्य प्रदेश के प्रमुख अनुसंधान केन्द्र/ प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान	मुख्यालय
इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट (IIITM)	ग्वालियर
पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र	ग्वालियर
थल सेना शैक्षिक प्रशिक्षण कॉलेज व केन्द्र	पचमढ़ी
स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन मैनेजमेन्ट एण्ड ट्रेनिंग	भोपाल

संस्थान	मुख्यालय
केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	भोपाल
भू–उपग्रह दूरसंचार अन्वेषण केन्द्र	गुना
एडव्होकेट्स कॉन्टीन्यूइंग लीगल एजूकेशन इंस्टीट्यूट	ग्वालियर
अँगूर अनुसंधान केन्द्र	रतलाम
राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र	इंदौर
म.प्र. धान अनुसंधान केन्द्र	बड़वानी
राज्य शिक्षण संस्थान	भोपाल
राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान	जबलपुर
म.प्र. गेहूँ अनुसंधान केन्द्र	पँवारखेड़ा (होशंगाबाद)
उप–पुलिस अधीक्षक (DSP) ट्रेनिंग हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान (प्रस्तावित)	भोपाल
राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्	भोपाल
सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल स्टॉफ परफॉर्मेंस (क्रिप्स)	भोपाल
आई.टी. इनबेल्ड् सर्विसेस प्रशिक्षण केन्द्र	भोपाल

5. मध्य प्रदेश में प्रथम व्यक्ति

प्रथम राज्यपाल	डॉ. भोगूराज पट्टाभि सीतारमैया
प्रथम महिला राज्यपाल	सुश्री सरला ग्रेवाल
प्रथम मुख्यमंत्री	डॉ. रविशंकर शुक्ल
प्रथम आदिवासी महिला राज्यपाल	उर्मिला सिंह (हिमाचल प्रदेश)
प्रथम महिला मुख्यमंत्री	सुश्री उमा भारती
प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	श्रीमती सरोजनी सक्सेना
प्रथम राज्य सूचना आयुक्त	टी.एन. श्रीवास्तव
प्रथम मुख्य सचिव	एच.एस. कामथ
प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष	विष्णु विनायक सरवटे
प्रथम विपक्ष का नेता	विष्णुनाथ तामस्कर
प्रथम गैर काँग्रेसी मुख्यमंत्री	कैलाश जोशी
प्रथम पुलिस महानिदेशक	वी.पी. दुबे
प्रथम पुलिस महानिरीक्षक	बी.जी. घाटे
प्रथम महिला मुख्य सचिव	निर्मला बुच
प्रथम महाधिवक्ता	श्री एम. अधिकारी
प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष	शीतला सहाय
प्रथम निर्वाचन आयुक्त	एन.वी. लोहानी
प्रथम लोकायुक्त	पी. व्ही. दीक्षित
प्रथम महिला विधानसभा उपाध्यक्ष	हीना कांवरे
प्रथम महिला आयोग अध्यक्ष	हेमवर्ती धेर्ते

6. स्मरणीय तथ्य सार

- प्रदेश में पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता–2520 MW (2018-19)
- जिला योजना समिति का अध्यक्ष–जिले का प्रभारी मंत्री
- हीड़गायन लोक संगीत है–मालवा
- ददरिया नृत्य–बैगा जनजाति
- पिथौरा भित्ति चित्र–भील जनजाति
- बैगाचक–डिण्डोरी जिला (मंडला मूल रूप से)
- सहरिया जनजाति–मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी
- चित्रकूट–मंदाकिनी तट (सतना)
- म.प्र. उत्सव–दिल्ली में मनाया जाता है।
- बरेठी (छतरपुर) में 4000 मेगावाट क्षमता का ताप विद्युत केन्द्र प्रस्तावित।
- प्रथम किसान विद्यालय जबलपुर में स्थापित किया गया।
- प्रदेश में प्रस्तावित परमाणु विद्युत गृह हैं–
  1. चुटका मंडला
  2. भीमपुर शिवपुरी
- बाजबहादुर व रानी रूपमती का मकबरा है–सारंगपुर (राजगढ़)
- मध्य प्रदेश से गुजरती है–कर्क रेखा (14 जिलों से)
- सेंट्रल प्रोविन्स एण्ड बरार की राजधानी थी–नागपुर
- प्रदेश का सर्वाधिक बड़ा प्राकृतिक विभाग–मालवा का पठार
- वर्षा वाला क्षेत्र–पूर्वी भाग
- सर्वाधिक चोटियों वाला भाग–सतपुड़ा
- प्रदेश में मैंगनीज भण्डारण–देश का 50% (भरवेली, बालाघाट में एशिया की सबसे बड़ी खदान)
- सबसे कम तेन्दूपत्ता के संसाधन–भिण्ड जिला
- बब्बर शेर हेतु तैयार राष्ट्रीय उद्यान–कूनो पालपुर
- राज्य का प्रथम कम्पोजिट लॉजिस्टिक हब होशंगाबाद।

7. मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा/ सबसे छोटा/ सर्वाधिक/ सबसे कम

- सबसे लंबी नदी नर्मदा (1312 किमी.) है।
- प्रदेश का सबसे लंबा पुल तवा नदी पुल है किन्तु उससे बड़ा पुल चंबल नदी (मंदसौर में) पर प्रस्तावित है।
- प्रदेश का सबसे गर्म स्थान खुजराहो है।
- प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शिवपुरी है।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थल पचमढ़ी है।
- सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र भिण्ड है।
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान कान्हा–किसली है।
- सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान फासिल (डिण्डोरी) है।
- प्रदेश की सबसे बड़ी मस्जिद ताज–उल मस्जिद भोपाल में है।
- राज्य का सबसे बड़ा रेलवे जंकशन इटारसी जंक्शन है।
- प्रदेश की सबसे बड़ी गणपति प्रतिमा इंदौर में है, जो बड़ा गणपति के नाम से प्रसिद्ध है।
- सबसे मोटी कोयला परत सिंगरौली में है।
- सबसे बड़ा भौतिक विभाग मालवा का पठार है।
- सबसे बड़ा कोयला भण्डार सोहागपुर (4142 वर्ग किमी.) क्षेत्र में है।
- प्रदेश का सबसे बड़ा शिवलिंग भोजपुर मंदिर का है।
- प्रदेश का मालवा क्षेत्र सर्वाधिक गेहूँ उत्पादक क्षेत्र है।
- सर्वाधिक प्रसार वाला समाचार पत्र दैनिक भास्कर है।
- मध्य प्रदेश का सर्वाधिक कुपोषित जिला श्योपुर है।
- मध्य प्रदेश का सबसे कम कुपोषित जिला भोपाल है।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. किस शहर को मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है ?
(A) ग्वालियर (B) भोपाल
(C) जबलपुर (D) इंदौर

2. मध्य प्रदेश ने 1 नवंबर 2022 को अपना .... स्थापना दिवस मनाया।
(A) 67वाँ (B) 60वाँ
(C) 62वाँ (D) 61वाँ

3. मध्य प्रदेश अपना स्थापना दिवस ..... को मनाता है।
(A) 1 नवंबर (B) 23 दिसंबर
(C) 15 अक्टूबर (D) 05 जनवरी

4. निम्नलिखित में से किसे मध्य प्रदेश के राज्य पशु के रूप में मान्यता प्राप्त है ?
(A) एशियाई शेर (B) हिम तेंदुआ
(C) बारहसिंगा (D) जंगली भैंसा

5. मध्य प्रदेश कब अस्तित्व में आया ?
(A) 1 जुलाई 1960 (B) 1 नवंबर 1956
(C) 1 अक्टूबर 1956 (D) 21 नवंबर 1956

6. मध्य प्रदेश से नया छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए इसका पुनर्गठन कब किया गया था ?
(A) 1 जुलाई 2000 (B) 1 जून 2001
(C) 1 नवंबर 2000 (D) 1 नवंबर 2005

7. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I (राजकीय चिह्न)		सूची–II (नाम)
1.	राजकीय वृक्ष	अ. आम
2.	राजकीय पुष्प	ब. सोयाबीन
3.	राजकीय फल	स. सफेद लिली
4.	राजकीय फसल	द. बरगद

कूट :

	1	2	3	4
(A)	द	स	अ	ब
(B)	स	अ	द	ब
(C)	ब	अ	द	स
(D)	द	स	ब	अ

8. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I (राजधानी)		सूची–II (जिला)
1.	मध्य प्रदेश की प्रशासनिक राजधानी	अ. जबलपुर
2.	मध्य प्रदेश की संस्कार राजधानी	ब. सिंगरौली
3.	मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी	स. भोपाल
4.	मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी	द. इंदौर

कूट :

	1	2	3	4
(A)	द	स	ब	अ
(B)	स	अ	द	ब
(C)	ब	द	अ	स
(D)	द	अ	ब	स

9. वर्तमान मध्य प्रदेश में जिलों की कुल संख्या कितनी है ?
(A) 53 (B) 52
(C) 54 (D) 55

10. मध्य प्रदेश के किस जिले से भारतीय मानक समय (आई.एस.टी.) रेखा गुजरती है ?
(A) जबलपुर (B) इंदौर
(C) सतना (D) सिंगरौली

11. मध्य प्रदेश के राजकीय गान के रचनाकार कौन हैं ?
(A) बालकवि बैरागी
(B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) श्री महेश श्रीवास्तव
(D) दीपक तिवारी

12. मध्य प्रदेश का वर्तमान कुल भौगोलिक क्षेत्रफल कितना है ?
(A) 3,08,252 वर्ग किमी.
(B) 4,08,252 वर्ग किमी.
(C) 3,08,398 वर्ग किमी.
(D) 3,08,358 वर्ग किमी.

13. संयुक्त राज्य विंध्य प्रदेश का उद्घाटन किसके द्वारा किया गया था ?
(A) एन.वी.गाडगिल
(B) कामता प्रसाद सक्सेना
(C) अवधेश प्रताप सिंह
(D) पं. शंभूनाथ शुक्ल

14. मध्य प्रदेश की राजकीय भाषा किस भाषा को घोषित किया गया है ?
(A) हिंदी (B) उर्दू
(C) मराठी (D) संस्कृत

15. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I		सूची–II
1.	मध्य प्रदेश का केन्द्र बिंदु	अ. कटनी (करौंदी)
2.	अविभाजित भारत का केन्द्र बिंदु	ब. बैतूल (बरसाली)
3.	अखण्ड भारत का केन्द्र बिंदु	स. उज्जैन (मंगलनाथ)
4.	पृथ्वी का केन्द्र बिंदु	द. सागर

कूट :

	1	2	3	4
(A)	द	स	अ	ब
(B)	स	अ	द	ब
(C)	ब	अ	द	स
(D)	द	अ	ब	स

16. सिंगरौली एवं अलीराजपुर में सूर्योदय के समय पर विचार कीजिए एवं सही विकल्प चुनिये–
(A) सिंगरौली में सूर्योदय 1 घंटे पहले होगा
(B) अलीराजपुर में सूर्योदय 1 घंटे पहले होगा
(C) सिंगरौली में सूर्योदय 1/2 घंटे पहले होगा
(D) अलीराजपुर में सूर्योदय 1/2 घंटे पहले होगा

17. 28 मई, 1948 को मध्य भारत का राज्य प्रमुख किसे नियुक्त किया गया था ?
(A) जीवाजीराव सिंधिया
(B) यशवंतराव होल्कर द्वितीय
(C) लीलाधर जोशी
(D) तख्तमल जैन

18. मध्य प्रदेश की राजकीय मछली महाशीर मछली किस प्रजाति से संबंधित है ?
(A) चित्रा (B) बाटागुर
(C) टौर (D) टेक्टोना

19. मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 1981 में किसे क्रमशः राजकीय पशु एवं पक्षी घोषित किया था ?
(A) बाघ व दूधराज
(B) बारहसिंगा व मोर
(C) बारहसिंगा व दूधराज
(D) सफेद शेर व गौरेया

20. मध्य प्रदेश के किस जिले में पृथ्वी का केन्द्र बिंदु स्थित है ?
(A) बैतूल (B) सागर
(C) उज्जैन (D) कटनी

उत्तरमाला

1. (C)	**2.** (A)	**3.** (A)	**4.** (C)	**5.** (B)
6. (C)	**7.** (A)	**8.** (B)	**9.** (B)	**10.** (D)
11. (C)	**12.** (A)	**13.** (A)	**14.** (A)	**15.** (D)
16. (C)	**17.** (A)	**18.** (C)	**19.** (C)	**20.** (C)

❑❑

अध्याय 1

श्रृंखला परीक्षण

SERIES (श्रृंखला) उसे कहा जाता है जिसमें किसी विशेष समूह में स्थित अंक/अक्षर के सुव्यवस्थित क्रम को दर्शाया जाता है।

प्रायः प्रतियोगी परीक्षाओं में अंक/अक्षर या अंक तथा अक्षर एक निश्चित क्रम में दिए गए होते हैं। दिए गए क्रम में किसी विशेष स्थान को खाली छोड़ दिया जाता है या किसी विशेष स्थान पर आने वाले अंक अक्षर के स्थान पर कोई गलत अंक/अक्षर संयोजित कर दिए जाते हैं। प्रतियोगियों को दिए गए श्रृंखला के खाली स्थान को दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त अंक/अक्षर या अंक एवं अक्षर का चुनाव करके पूर्ति करना होता है या श्रृंखला में प्रयुक्त गलत अंक/अक्षर को ज्ञात करना होता है।

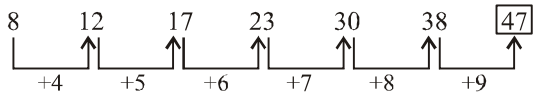

श्रृंखला परीक्षण के प्रकार

संख्या श्रृंखला

उदा. 1. 8, 12, 17, 23, 30, 38, ?

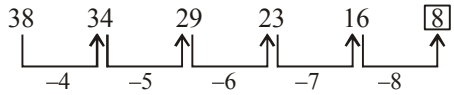

(A) 40 (B) 42
(C) 47 (D) 50

हल (C) :

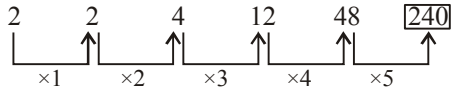

8 →(+4) 12 →(+5) 17 →(+6) 23 →(+7) 30 →(+8) 38 →(+9) 47

∴ ? = 47

उदा. 2. 38, 34, 29, 23, 16, ?

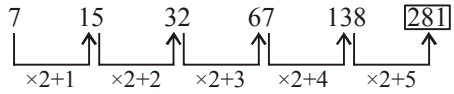

(A) 8 (B) 10
(C) 12 (D) 14

हल (A) :

38 →(–4) 34 →(–5) 29 →(–6) 23 →(–7) 16 →(–8) 8

∴ ? = 8

उदा. 3. 2, 2, 4, 12, 48, ?

(A) 96 (B) 192
(C) 240 (D) 288

हल (C) :

2 →(×1) 2 →(×2) 4 →(×3) 12 →(×4) 48 →(×5) 240

∴ ? = 240

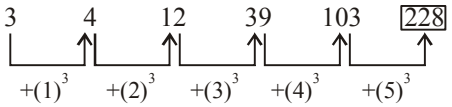

उदा. 4. 7, 15, 32, 67, 138, ?

(A) 140 (B) 260
(C) 362 (D) 281

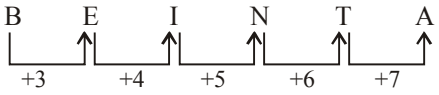

हल (D) :

7 →(×2+1) 15 →(×2+2) 32 →(×2+3) 67 →(×2+4) 138 →(×2+5) 281

∴ ? = 281

उदा. 5. 1, 4, 9, 16, 25, 36, ?

(A) 40 (B) 49
(C) 55 (D) 62

हल (B) :

$(1)^2$ ↓ 1, $(2)^2$ ↓ 4, $(3)^2$ ↓ 9, $(4)^2$ ↓ 16, $(5)^2$ ↓ 25, $(6)^2$ ↓ 36, $(7)^2$ ↓ 49

∴ ? = 49

उदा. 6. 3, 4, 12, 39, 103, ?

(A) 206 (B) 208
(C) 228 (D) 252

हल (C) :

3 →($+(1)^3$) 4 →($+(2)^3$) 12 →($+(3)^3$) 39 →($+(4)^3$) 103 →($+(5)^3$) 228

∴ ? = 228

अक्षर श्रृंखला

उदा. 1. B, E, I, N, T, ?

(A) A (B) M
(C) X (D) Z

हल (A) :

B →(+3) E →(+4) I →(+5) N →(+6) T →(+7) A

∴ ? = A

उदा. 2. AZ, CX, FU, JQ, ?

(A) XC (B) OL
(C) XL (D) OX

हल (B) : A →(+2) C →(+3) F →(+4) J →(+5) O

Z →(–2) X →(–3) U →(–4) Q →(–5) L

∴ ? = OL

उदा. 3. MHZ, NIW, OKT, PNQ, ?

(A) PRN (B) QRT
(C) PRT (D) QRN

हल (D) : M →(+1) N →(+1) O →(+1) P →(+1) Q

H →(+1) I →(+2) K →(+3) N →(+4) R

Z →(–3) W →(–3) T →(–3) Q →(–3) N

∴ ? = QRN

मिश्रित शृंखला

इस प्रकार की शृंखला में अंक तथा अक्षर के मिश्रित पद होते हैं।

उदा. 1. C 1 L, F 4 O, I 9 R, L 16 U, ?

(A) O 25 X (B) N 25 Z
(C) O 20 X (D) N 16 Z

हल (A) : $C \xrightarrow{+3} F \xrightarrow{+3} I \xrightarrow{+3} L \xrightarrow{+3} O$

$1 \xrightarrow{+3} 4 \xrightarrow{+5} 9 \xrightarrow{+7} 16 \xrightarrow{+9} 25$

$L \xrightarrow{+3} O \xrightarrow{+3} R \xrightarrow{+3} U \xrightarrow{+3} X$

$\therefore$? = O 25 X

क्रमागत शृंखला

इस प्रकार के प्रश्नों में अक्षरों/अंकों की एक शृंखला होती है। शृंखला में कुछ अक्षरों/अंकों के स्थान को खाली छोड़ दिया जाता है, इस शृंखला में खाली स्थान में उपर्युक्त अक्षर/अंक भरकर शृंखला को पूरा करना होता है।

उदा. 1. a_ _ dba _ _ bcad _ _ da _ _ cd

(A) aabbccdd (B) bccdbcab
(C) abcddcba (D) cbcddcba

हल (B) : a b c d | b a c d | b a c d | b c d a | a b c d

उदा. 2. SH_ELAS_EELA_HEELA

(A) HHSS (B) EEHS
(C) EHSL (D) ELHA

हल (C) : SHEELA / SHEELA / SHEELA/ SHEELA

उदा. 3. 12_41_34123_ _234

(A) 3241 (B) 2134
(C) 1432 (D) 3212

हल (A) : 1 2 3 4 / 1 2 3 4 / 1 2 3 4 / 1 2 3 4

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान को भरे और दी गई शृंखला को पूरा करे :

3, 4, 0, 9, –7, ...

(A) 8 (B) –32
(C) 18 (D) 7

2. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए, जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) को प्रतिस्थापित कर सके–

6, 24, 60, 120, 210, ?

(A) 336 (B) 274
(C) 368 (D) 402

3. उस संख्या को पहचानिए जो निम्नलिखित श्रेणी से सम्बन्धित नहीं है–

289, 306, 340, 389, 459, 544

(A) 289 (B) 459
(C) 389 (D) 306

4. दिए गए विकल्पों में से उस संख्या का चयन करें जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्न चिह्न को प्रतिस्थापित कर सकती है?

3, 13, 23, 43, 53, 73, 83, 103, 113, ?

(A) 153 (B) 183
(C) 163 (D) 173

5. नीचे दिये गए अनुक्रम को पूरा करें–

$\frac{H}{16}, \frac{K}{13}, ?, \frac{Q}{19}, \frac{T}{40}, ?, \frac{Z}{52}$

(A) $\frac{N}{25}, \frac{V}{28}$ (B) $\frac{N}{28}, \frac{W}{25}$

(C) $\frac{W}{26}, \frac{M}{20}$ (D) $\frac{N}{24}, \frac{W}{32}$

6. निम्नलिखित प्रश्न में दिए गये विकल्पों में से लुप्त अंक ज्ञात कीजिए–

19, 38, ?, 228, 684, 1368

(A) 108 (B) 113
(C) 114 (D) 138

7. निम्नलिखित प्रश्न में एक अनुक्रम दिया गया है, जिसमें एक पद लुप्त है। दिए गए विकल्पों में से वह सही विकल्प चुनिए जो अनुक्रम को पूरा करे।

2, 4, 13, 41, 106, ?

(A) 172 (B) 191
(C) 219 (D) 232

8. निम्नलिखित प्रश्न में दी गयी शृंखला में प्रश्नचिह्न के स्थान पर क्या आयेगा ?

FK27, LQ64, RW125, ?

(A) CX216 (B) XB216
(C) XC216 (D) YB343

9. दी गई श्रेणी को पूर्ण करें।

165, 275, 15, 25, 3, ____

(A) 12 (B) 8
(C) 5 (D) 11

10. श्रेणी को पूर्ण करें।

19, 67, 43, 55, 49, ____

(A) 52 (B) 53
(C) 51 (D) 54

11. श्रेणी को पूरा करें।

4, 196, 16, 144, 36, 100, 64, ____

(A) 36 (B) 80
(C) 64 (D) 100

12. श्रेणी को पूर्ण करें।

186, 183, 177, 159, ____

(A) 81 (B) 93
(C) 87 (D) 96

13. श्रेणी को पूर्ण करें।

11, 77, 38.5, 231, ____

(A) 125 (B) 121.5
(C) 115.5 (D) 120

14. दी गई संख्या श्रेणी में एक पद गलत है गलत संख्या का चयन करें–

344, 217, 126, 66, 28, 9

(A) 217 (B) 126
(C) 66 (D) 28

15. वह अक्षर–समूह चुनें जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्न–चिह्न (?) का स्थान ले सकता है।

LJB, NIY, PHV, RGS, TFP, ?

(A) VEM (B) VEN
(C) WEM (D) VFM

16. वह संख्या चुनें जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्न चिह्न (?) का स्थान ले सकती है।

511, 255, ?, 63, 31, 15, 7

(A) 124 (B) 127
(C) 175 (D) 125

17. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।

22, 33, 66, 88, ?

(A) 84 (B) 97
(C) 115 (D) 165

18. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।

2, 7, 14, 23, ?, 47

(A) 21 (B) 38
(C) 34 (D) 28

19. निम्नलिखित शृंखला में (?) की जगह प्रतिस्थापित हो सकने वाली संख्या का चयन करें।

240, ? 120, 40, 10, 2

(A) 240 (B) 320

(C) 420 (D) 580

20. वह संख्या चुनें जो निम्नलिखित शृंखला में आगे आएगी।

3, 4, 13, 38, 87, 168, ?

(A) 199 (B) 289

(C) 203 (D) 259

व्याख्यात्मक हल

1. (C) 3, 4, 0, 9, –7, ?

+1 –4 +9 –16 +25

1^2 2^2 3^2 4^2 5^2

? = –7 + 25 = 18

2. (A) 6 24 60 120 210 ?

+18 +36 +60 +90 (+126)

+18 +24 +30 (+36)

+6 +6 (+6)

? = 210 + 126 = 336

3. (C) 17 के क्रमागत गुणज के पदों का अन्तर है।

289 + 17 = 306

306 + 34 = 340

340 + 51 = 391 (जबकि 389 नहीं)

391 + 68 = 459

459 + 85 = 544

अतः 389 गलत पद है।

4. (C) **तर्क :** 3 इकाई अंक वाली क्रमागत अभाज्य संख्याएँ लिखी जाती हैं।

अतः अगला पद 163 होगा।

5. (B)

+3 +3 +3 +3 +3 +3

H/16, K/13, [N/28], Q/19, T/40, [W/25], Z/52

+12 +12 +12

+6 +6

6. (C) प्रश्नानुसार दी गई संख्या शृंखला का क्रम निम्नवत है–

19 × 2 = 38

38 × 3 = [114]

114 × 2 = 228

228 × 3 = 684

684 × 2 = 1368

∴ ? = 114

7. (D) प्रश्नानुसार, दी गई संख्या शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

2 4 13 41 106 [232]

+2 +9 +28 +65 +126

+7 +19 +37 +61

+12 +18 +24

+6 +6

∴ ? = 232

8. (C) दी गई शृंखला का क्रम निम्नवत् है–

F →(+6) L →(+6) R →(+6) [X]

K →(+6) Q →(+6) W →(+6) [C]

27 → 64 → 125 → 216

$(3)^3$ $(4)^3$ $(5)^3$ $(6)^3$

∴ ? = XC 216

9. (C)

÷11 ÷5

165 275 15 25 3 [5]

÷11 ÷5

अतः विकल्प (C) सही है।

10. (A) 19 67 43 55 49 [52]

+48 –24 +12 –6 +3

÷2 ÷2 ÷2 ÷2

अतः विकल्प (A) सही है।

11. (C)

4 196 16 144 36 100 64 [64]

2^2 14^2 4^2 12^2 6^2 10^2 8^2 8^2

+2 +2 +2 +2

–2 –2 –2

अतः विकल्प (C) सही है।

12. (C) 3 × 1 = 3 ⇒ 186 – 3 = 183

3 × 2 = 6 ⇒ 183 – 6 = 177

6 × 3 = 18 ⇒ 177 – 18 = 159

18 × 4 = 72 ⇒ 159 – 72 = [87]

अतः विकल्प (C) सही है।

13. (C) 11 77 38.5 231 115.5

×7 ÷2 ×6 ÷2

14. (C) 344 217 126 [65]

$(7)^3+1$ $(6)^3+1$ $(5)^3+1$ $(4)^3+1$

28 9

$(3)^3+1$ $(2)^3+1$

अतः 66 शृंखला में गलत है। 66 के स्थान पर 65 आयेगा।

15. (A) दी गई अक्षरों की शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

L →(+2) N →(+2) P →(+2) R →(+2) T →(+2) [V]

J →(–1) I →(–1) H →(–1) G →(–1) F →(–1) E

B →(–3) Y →(–3) V →(–3) S →(–3) P →(–3) [M]

16. (B) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् हैं :

(511 – 1) ÷ 2 = 510 ÷ 2 = 255

(255 – 1) ÷ 2 = 254 ÷ 2 = [127]

(127 – 1) ÷ 2 = 126 ÷ 2 = 63

(63 – 1) ÷ 2 = 62 ÷ 2 = 31

(31 – 1) ÷ 2 = 30 ÷ 2 = 15

(15 – 1) ÷ 2 = 14 ÷ 2 = 7

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर संख्या 127 आयेगी।

17. (D) दी गई शृंखला 11 का गुणज है :

11 × 2 = 22

11 × 3 = 33

11 × 6 = 66

11 × 8 = 88

11 × 15 = [165]

अतः दिए गए विकल्पों में से केवल संख्या 165, 11 का गुणज है।

18. (C) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

2 7 14 23 [34] 47

+5 +7 +9 +11 +13

+2 +2 +2 +2

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर 34 आयेगा।

19. (A) दी गई अंक शृंखला का पैटर्न निम्नवत् है :

240 [240] 120 40 10 2

÷1 ÷2 ÷3 ÷4 ÷5

अतः प्रश्नचिह्न के स्थान पर संख्या 240 आयेगी।

20. (B) शृंखला निम्नवत् है–

3 4 13 38 87 168 [289]

+1 +9 +25 +49 +81 +121

$(1)^2$ $(3)^2$ $(5)^2$ $(7)^2$ $(9)^2$ $(11)^2$

❐❐

अध्याय 1

संख्या पद्धति

स्थानीय मान—दी गई संख्या में किसी अंक का मान उसके स्थानीय मान तथा स्वयं के गुणनफल से प्राप्त मान होता है। जैसे—संख्या 4,89,765 में 6 का स्थानीय मान $6 \times 10 = 60$ होगा, जहाँ 6 को उसके स्थानीय मान अर्थात् दहाई स्थान (10) से गुणा किया गया है।

वास्तविक मान—किसी संख्या में अंक का वास्तविक मान स्वयं संख्या होती है। जैसे—संख्या 59,438 में 9 का वास्तविक मान 9 ही होता है।

संख्याओं का वर्गीकरण (Kinds of Numbers)

I. प्राकृत संख्याएँ (Natural Numbers)— ये संख्याएँ 1 से प्रारम्भ होती हैं और अनन्त तक जाती हैं। इनके समूह को N से दर्शाते हैं।

$$N = \{1, 2, 3, 4, 5...\}$$

II. पूर्ण संख्याएँ (Whole Numbers)—जब प्राकृत संख्याओं में शून्य को शामिल किया जाता है तो पूर्ण संख्याएँ बन जाती हैं।

$$W = \{0, 1, 2, 3, 4...\}$$

III. सम संख्याएँ (Even Numbers)—वे संख्याएँ जो 2 से भाज्य होती हैं, सम संख्याएँ कहलाती हैं।

$$E = \{2, 4, 6, 8, ...\}$$

IV. विषम संख्याएँ (Odd Numbers)—वे संख्याएँ जो 2 से भाज्य नहीं होती हैं, विषम संख्याएँ कहलाती हैं।

$$O = \{1, 3, 5, 7, ...\}$$

V. पूर्णांक संख्याएँ (Integers)—धनात्मक व ऋणात्मक चिह्न वाली संख्याओं को पूर्णांक संख्याएँ कहते हैं।

$$I = \{...-3, -2, -1, 0, 1, 2, 3...\}$$

VI. अभाज्य संख्याएँ (Prime Numbers)—1 से बड़ी उन सभी प्राकृत संख्याओं का समूह जिसमें उस संख्या तथा 1 को छोड़कर अन्य किसी भी संख्या से भाग देने पर वह पूर्णतः विभाजित न हो सके। '2' एक मात्र ऐसी संख्या है जो सम भी है और रूढ़ भी है।

$$P = \{2, 3, 5, 7, 11, ...\}$$

VII. परिमेय संख्याएँ (Rational Numbers)—वे संख्याएँ जिनको p/q के रूप में लिखा जा सकता है जहाँ p और q कोई ऐसी संख्याएँ हैं जो कि अभाज्य हैं तथा $q \neq 0$ है। इनके समूह को परिमेय संख्या (Rational Number) कहा जाता है।

$$R = \left\{........\frac{2}{5}, \frac{1}{5}, -4, 0, 4, \frac{7}{5}\right\}$$

VIII. अपरिमेय संख्याएँ (Irrational Numbers)—वे संख्याएँ जिनको p/q के रूप में लिखना सम्भव न हो, ऐसी संख्याओं के समूह को अपरिमेय संख्या कहते हैं। यहाँ भी p व q परस्पर अभाज्य संख्याएँ होंगी तथा $q \neq 0$ होगा।

$$L = \{........\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{7}.........\}$$

IX. सह अभाज्य संख्या (Co-prime Numbers)—यदि दो प्राकृतिक संख्याओं का म.स.प. 1 हो, अर्थात् 1 के अलावा कोई भी उभयनिष्ठ गुणनखण्ड न हो, तो वे संख्याएँ सह–अभाजय संख्याएँ कहलाती हैं।

उदा. : (2, 3), (4, 5), (5, 9), (13, 14), (15, 16) आदि।

विशेषताएँ—

- सह अभाज्य संख्याओं में एक का विषम होना अनिवार्य है।
- सभी क्रमागत संख्याएँ सह–अभाज्य हैं।
- सह–अभाज्य होने के लिए सभी संख्याओं का अभाज्य होना अनिवार्य नहीं है।

संख्याओं का विभाजकता नियम:—

2 से विभाजकता : यदि किसी संख्या का इकाई अंक 0, 2, 4, 6, 8 में से हो, तो वह संख्या 2 से विभाज्य होती है।

3 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के सभी अंकों का योग, 3 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 3 से विभाजित होती है।

4 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के अन्तिम दो अंकों का युग्म, 4 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 4 से विभाजित होती है।

5 से विभाजकता : यदि संख्या का इकाई अंक 0 अथवा 5 है, तो वह संख्या 5 से पूर्णतया विभाजित होती है।

6 से विभाजकता : यदि संख्या 2 तथा 3 से पूर्णतया विभाज्य है, तो वह संख्या 6 से भी पूर्णतया विभाजित होती है।

7 से विभाजकता : संख्या का इकाई अंक लेकर उसका दोगुना करें। प्राप्त संख्या को मूल संख्या के शेष अंकों में से घटायें। यदि प्राप्त नयी संख्या शून्य (0) अथवा 7 से विभाजित होने वाली संख्या है, तो मूल संख्या भी 7 से विभाजित होगी।

8 से विभाजकता : संख्या के अन्तिम तीन अंकों का युग्म, यदि 8 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 8 से विभाजित होगी।

9 से विभाजकता : यदि संख्या के सभी अंकों को योग, 9 से विभाजित है, तो वह संख्या भी 9 से विभाजित होगी।

11 से विभाजकता : यदि संख्या में सम स्थानों पर अंकों के योग तथा विषम स्थानों पर अंकों के योग का अन्तर, 11 से विभाज्य है, तो संख्या भी 11 से विभाज्य होगी।

घात वाली संख्या का इकाई अंक ज्ञात करना (Finding the Unit Digit of a Powered Number)

I. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 0, 1, 5 या 6 है तो किसी भी घात पर इकाई का अंक अपरिवर्तित रहता है।

उदा. : $(2010)^{105}$ में इकाई का अंक = 0

II. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 4 या 9 है तब

(i) विषम घात होने पर—अभीष्ट संख्या का इकाई का अंक अपरिवर्तित होगा।

(ii) सम घात होने पर—अभीष्ट संख्या में इकाई का अंक क्रमशः 6 या 1 होगा।

उदा. : $(1914)^{216}$ में इकाई का अंक = 6

III. यदि किसी संख्या में इकाई का अंक 2, 3, 7 या 8 है तो घात को 4 से भाग करो। शेषफल 1, 2, 3 या 4 होगा। (शून्य न लें) फिर इकाई के अंक को शेषफल के बराबर बार गुणा करें। प्राप्त संख्या का इकाई का अंक ही मूल संख्या का इकाई का अंक होगा।

उदा. 1 : $(4243)^{511}$ में $511 \div 4$ करने पर शेषफल 3 होगा।

तब 3 को 3 बार गुणा करेंगे। $3^3 = 27$। अतः अभीष्ट इकाई का अंक 7 है।

उदा. 2 : $(1996)^{5212}$ में $5212 \div 4$ करने पर शेषफल 4 (शून्य नहीं लेंगे) तब 6 को 4 बार गुणा करेंगे। $6^4 = 1296$। अतः अभीष्ट इकाई का अंक 6 है।

गुणा के प्रश्नों में इकाई का अंक ज्ञात करना (Finding the Unit digit in Multiplication Questions)

कुछ संख्याओं को गुणा करते हुए यदि इकाई का अंक ज्ञात करना हो, तो केवल इकाई के अंकों को गुणा करते रहें तथा प्रत्येक प्राप्त संख्या के दहाई के अंक को हटा दें। अंत में प्राप्त अंक ही अभीष्ट इकाई का अंक होगा।

उदा. : $468 \times 26 \times 1268 \times 34683$ में इकाई का अंक ज्ञात करो।

हल :

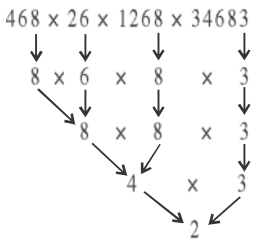

$(8 \times 6$ में इकाई का अंक $= 8)$

$(8 \times 8$ में इकाई का अंक $= 4)$

$(4 \times 3$ में इकाई का अंक $= 2)$

अतः अभीष्ट संख्या में इकाई का अंक 2 होगा।

समान्तर श्रेणी (Arithmetic Progression)

समान्तर श्रेणी का मानक रूप (Standard form of Arithmetic Progression)—

यदि किसी समान्तर श्रेणी का प्रथम पद a, सार्वअन्तर d तथा अन्तिम पद T_n हो, तो श्रेणी का मानक रूप होगा :

$a, (a+d), (a+2d) \ldots\ldots\ldots [a+(n-1)d] = T_n$

समान्तर श्रेणी का *n*वाँ पद (व्यापक पद)—

$T_n = a + (n-1)d$ को समान्तर श्रेणी का व्यापक (nवाँ पद) कहते हैं।

समान्तर श्रेणी के प्रथम *n* पदों का योगफल (Sum of first *n* terms of an A. P.)—

$$S_n = \frac{n}{2}[2a + (n-1)d] \text{ या } S_n = \frac{n}{2}[a + T_n]$$

$[\text{जहाँ } T_n = a + (n-1)d]$

को समान्तर श्रेणी के प्रथम n पदों का योगफल कहते हैं।

महत्त्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. यदि 'p' एक पूर्णांक हैं, तो "p" का सबसे छोटा संभावित मान क्या होगा जहाँ "$p^2 \times 156 \times 135$", 14 से विभाज्य है?

(A) 14 (B) 7

(C) 6 (D) 2

2. 19^{144} का यूनिट या इकाई अंक क्या है?

(A) 8 (B) 4

(C) 1 (D) 6

3. निम्नलिखित में से कौन एक अपरिमेय संख्या है?

(A) $\sqrt{\frac{12}{3}}$ (B) $\sqrt{\frac{4}{25}}$

(C) $\sqrt{\frac{20}{4}}$ (D) $\sqrt{\frac{63}{28}}$

4. 11 से विभाजित होने वाली सबसे छोटी 4 अंकों वाली संख्या के अंकों के योग और 13 से विभाजित होने वाली सबसे छोटी 4 अंकों वाले संख्या के अंकों के योग का गुणनफल ज्ञात करें—

(A) 1 (B) 2

(C) 4 (D) 6

5. X के पास बैंक खाते में ₹ 100.82 का शेष है, ₹74.35 जमा करने और ₹50.17 निकालने के बाद वह अपने बैंक बैलेंस के साथ ₹5 के कितने चॉकलेट खरीद सकता है ?

(A) 23 (B) 24

(C) 25 (D) 26

6. नीचे दी गई संख्याओं में से कौन-सी संख्या 24 से पूरी तरह विभाजित करने योग्य है ?

(A) 14744 (B) 28856

(C) 43976 (D) 57528

7. $3^{53} - 6^{38} + 27^{56}$ को हल करने के बाद प्राप्त संख्या में इकाई स्थान पर अंक बताइए—

(A) 4 (B) 2

(C) 8 (D) 6

8. एक लड़का 1 से 15 तक की सभी प्राकृत संख्याओं को जोड़ता है, लेकिन वह एक संख्या को दो बार जोड़ लेता है, जिसकी वजह से उसे संख्याओं का योग 134 मिलता है। वह संख्या कौन-सी है जो दो बार जोड़ी गई है?

(A) 14 (B) 15

(C) 8 (D) 10

9. $\sqrt{12}+\sqrt{3}, \sqrt{11}+2, \sqrt{5}+\sqrt{10}$ तथा $1+\sqrt{14}$, में सबसे बड़ी अपरिमेय संख्या कौन–सी है?

(A) $\sqrt{12}+\sqrt{3}$ (B) $\sqrt{5}+\sqrt{10}$

(C) $\sqrt{11}+2$ (D) $1+\sqrt{14}$

10. $3^{11} + 3^{12} + 3^{13} + 3^{14}$ किससे विभाजित नहीं है?

(A) 7 (B) 12

(C) 8 (D) 10

11. यदि संख्या 8289A56B, 30 से पूर्णतः विभाजित है तो A तथा B का योग क्या होगा?

(A) 5 (B) 3

(C) 4 (D) 6

अध्याय 1

वर्ण विचार

वर्ण

भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है, इस ध्वनि को वर्ण कहा जाता है।

हिन्दी में उच्चारण के आधार पर 45 वर्ण एवं लेखन के आधार पर 52 वर्ण होते हैं।

I. स्वर

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ (ऋ), ए, ऐ, ओ, औ, कुल 11 स्वर हैं।

मात्राएँ–अ की कोई मात्रा नहीं होती। ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

अनुस्वार–अं (ं)

जैसे–अंश, अंदेशा, संपदा, हंस।

अनुनासिक– ँ (चन्द्रबिन्दु)

जैसे–हँसना, धुआँ, चाँद।

विसर्ग–अः (:)

जैसे–अधःगति, दुःख, मनःस्थिति।

II. व्यंजन

क वर्ग	:	क ख ग घ ङ
च वर्ग	:	च छ ज झ ञ
ट वर्ग	:	ट ठ ड (ड़) ढ (ढ़) ण (द्विगुण व्यंजन ड़–ढ़)
त वर्ग	:	त थ द ध न
प वर्ग	:	प फ ब भ म
अंतःस्थ	:	य र ल व
उष्म	:	श ष स ह
संयुक्त व्यंजन	:	क्ष त्र ज्ञ श्र (क् + ष) (त् + र) (ज् + ञ) (श् + र)
आगत	:	(ज़ + फ़)

वर्णमाला एक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य में इस प्रकार द्रष्टव्य है।

स्वर वर्गीकरण

ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ, ऋ) | दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ) | प्लुत स्वर (राऽऽऽ–)

स्वर की संख्या = 11

I. ह्रस्व स्वर–उच्चारण में कम समय।

II. दीर्घ स्वर–उच्चारण में ह्रस्व स्वर से अधिक समय। इनके उच्चारण में दो मात्राओं का समय लगता है। इन्हें 'द्विमात्रिक स्वर' भी कहते हैं। (अ + इ), ऐ (अ + ए), ओ (अ + उ) औ।

III. प्लुत स्वर–उच्चारण में एक मात्रा का तीन गुना समय लगता है। नाटक के संवादों में इसका उपयोग होता है। जैसे–हे राम !

स्वरों का वर्गीकरण उच्चारण के आधार पर

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	ह्रस्व स्वर	दीर्घ स्वर	निरानुनासिक मौखिक स्वर	अनुनासिक स्वर
कंठ्य	कंठ	अ	आ	अ, आ	अं, आँ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	इ	ई	इ	इँ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ऋ			
	कंठ+तालु (कंठतालव्य)	–	ए, ऐ		
	ओष्ठ+कंठ (कंठोष्ठ्य)	–	ओ,औ		
ओष्ठ्य	ओष्ठ/ओंठ	उ	ऊ		

व्यंजन

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक व्यंजन के उच्चारण में 'अ' स्वर मिला होता है। व्यंजन पाँच प्रकार के होते हैं।

I. स्पर्श व्यंजन–वे वर्ण जो जिह्वा के स्पर्श मात्र करने से ध्वनि का उच्चारण होता है। ये पाँच वर्ग में बँटे हैं जिनका स्वरूप उच्चारण एवं ध्वनि के आधार पर इस प्रकार है–

क्र.	उच्चारण	ध्वनि	वर्ग	वर्ण
1.	कण्ठ	कंठ्य	क–वर्ग	क्, ख्, ग्, घ्, ङ्
2.	तालु	तालव्य	च–वर्ग	च्, छ्, ज्, झ्, ञ्
3.	मूर्द्धा	मूर्धन्य	ट–वर्ग	ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्
4.	दंत	वर्त्स्य	त–वर्ग	त्, थ्, द्, ध्, न्
5.	होंठ	ओष्ठ्य	प–वर्ग	प्, फ्, ब्, भ्, म्

विशेष–

स्पर्श व्यंजन के प्रत्येक वर्ग के अन्तिम वर्ण को (ङ, ञ, ण, न, म) को अनुनासिक कहते हैं। ङ्, ञ, ण् से कोई शब्द प्रारम्भ नहीं होता।

अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) न तो स्वर होते हैं न ही व्यंजन। ये स्वर के अन्त में अवश्य लगते हैं। अतः इन दोनों ध्वनियों को 'आयोगवाह' कहते हैं। आयोगवाह का अर्थ है, योग न होने पर भी जो साथ रहे।

II. अंतःस्थ व्यंजन–इनका उच्चारण जीभ, तालु, दाँत और ओठों के परस्पर सटने से होता है किन्तु पूर्ण स्पर्श नहीं होता है। इनकी संख्या चार होती है (य र ल व)। इन्हें अर्द्धस्वर भी कहते हैं।

III. ऊष्म व्यंजन–जिनके उच्चारण में वायु घर्षण करती हुई बाहर निकलती हो। श्, ष्, स्, ह्।

IV. संयुक्त व्यंजन–वे वर्ण जो दो व्यंजन के मेल से बनते हैं।

क्ष = क् + ष
त्र = त् + र
ज्ञ = ज् + ञ
श्र = श् + र

V. उत्क्षिप्त व्यंजन – ड़, ढ़

व्यंजन के भेद

व्यंजन के दो भेद होते हैं–

I. अल्पप्राण–इनको उच्चारण में कम श्रम करना पड़ता है। प्रत्येक वर्ग का प्रथम, तृतीय और पाँचवाँ तथा अंतःस्थ वर्ण अल्पप्राण होता है;
जैसे–क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, भ, य, र, ल, व।

II. महाप्राण–इनके उच्चारण में हकार जैसी ध्वनि रहती है। वर्ण का द्वितीय, चतुर्थ तथा ऊष्म वर्ण महाप्राण व्यंजन कहे जाते हैं।
जैसे–ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ, श, ष, स, ह।

व्यंजनों का वर्गीकरण : उच्चारण स्थान के आधार पर (एक परिप्रेक्ष्य)

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
कंठ्य	कंठ	क	ख	ग	घ	ङ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	च	छ	ज ज़	झ	ञ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ट	ठ	ड	ढ ढ़	ण
दंत्य	ऊपरी दाँतों के निकट से	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	दोनों ओठों से	प	फ फ़	ब	भ	म
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	–	श	य		
वर्त्स्य	दंत + मसूड़ा (दंत मूल से)	–	स	र, ल		
दंत्योष्ठ्य	ऊपर के दाँत + निचला ओंठ	–	–	व		
मूर्धन्य	मूर्धा (भीतर की छत का अगला भाग)	–	ष	–		
स्वरयंत्रीय	स्वर यंत्र (कंठ के भीतर स्थित)	–	–	–	ह	
उत्क्षिप्त	जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आये।	–	–	ड़	ढ़	

विशेष–
आगत/गृहीत ध्वनियाँ (क़, ख़, ग़, ज़, फ़) ऑ।

वर्णमाला (स्वर एवं व्यंजन) संक्षिप्त पुनरावलोकन

- **स्वर**–जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के तथा बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।
- **ह्रस्व स्वर**–जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।
- **दीर्घ स्वर**–जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।
- ह्रस्व स्वर हैं–**अ, इ, उ, ऋ**
- मूल स्वर हैं–**अ, इ, उ, ऋ**
- दीर्घ स्वर हैं–**आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ**
- आगत स्वर हैं–**आँ**
- अग्र स्वर हैं–**इ, ई, ए, ऐ**
- मध्य स्वर हैं–**अ**
- पश्च स्वर हैं–**आ, उ, ऊ, ओ, औ, आँ**
- संवृत स्वर हैं–**ई, ऊ, इ, उ**
- अर्द्ध संवृत हैं–**ए, ओ**
- विवृत हैं–**आ, आँ**
- अर्द्ध विवृत हैं–**ए, अ, ओ, औ**
- व्यंजनों की संख्या–**(41)**
- स्पर्श व्यंजनों की संख्या–**(25)**
- अंतःस्थ व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- ऊष्म व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- आगत व्यंजनों की संख्या–**(2)**
- संयुक्त व्यंजनों की संख्या–**(4)**
- **क–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- **च–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्**
- **ट–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्**
- **त–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**त्, थ्, द्, ध्, न्**
- **प–वर्ग** ध्वनियाँ हैं–**प्, फ्, ब्, भ्, म्**
- **अन्तःस्थ** व्यंजन हैं–**य, र, ल, व**
- **अर्द्धस्वर** हैं–**य, व**
- **लुंठित** व्यंजन हैं–**र**
- **पार्श्विक** व्यंजन हैं–**ल**
- **ऊष्म–संघर्षी** व्यंजन हैं–**स, श, ष, ह**
- **उत्क्षिप्त** व्यंजन हैं–**ड़, ढ़**
- अघोष वर्ण हैं–**प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण तथा श, ष, स**
- घोष वर्ण हैं–**प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण तथा य, र, ल, व, ह**
- अल्पप्राण व्यंजन हैं–**प्रत्येक वर्ग में प्रथम, तृतीय, पंचम वर्ण तथा अन्तःस्थ वर्ण**

- महाप्राण व्यंजन हैं–**प्रत्येक वर्ग के द्वितीय व चतुर्थ वर्ण तथा ऊष्म वर्ण**
- नासिक्य व्यंजन हैं–**ङ्, ञ्, ण्, न्, म्**
- कंठ व्यंजन हैं–**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- तालव्य व्यंजन हैं–**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, श्, य्**
- मूर्धन्य व्यंजन हैं–**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण, (ढ़), ष**
- दंत्य व्यंजन हैं–**त्, थ्, द, ध्, न्**
- ओष्ठ्य व्यंजन हैं–**प्, फ (फ़), ब्, भ्, म्**
- दंत्योष्ठ्य व्यंजन हैं–**व्**
- स्वरयंत्रीय व्यंजन हैं–**ह्**

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. प्लुत स्वर कौन–सा है?
(A) ओउम् (B) ओम्
(C) ओम (D) अउम

2. उच्चारण स्थान की दृष्टि से कौन–सा विकल्प शुद्ध है?
(A) स–दन्त्य (B) च–कंठ्य
(C) ष–तालव्य (D) श–मूर्धन्य

3. निम्न में संयुक्त व्यंजन कौन–सा नहीं है ?
(A) त्र (B) य
(C) क्ष (D) ज्ञ

4. जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगाने से होता है, उसे क्या कहते हैं ?
(A) मूर्धन्य (B) कंठ्य
(C) दन्त्य (D) अनुनासिक

5. निम्नलिखित में से 'ऊष्म व्यंजन' कौन–से हैं?
(A) च–छ–ज (B) श–ष–स
(C) अ–ब–स (D) य–र–ल

6. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान क्या है?
(A) दन्त (B) मूर्द्धा
(C) तालु (D) दन्तालु

7. 'ङ्' का उच्चारण स्थान होता है–
(A) नासिक्य (B) कण्ठौष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कण्ठतालव्य

8. इन शब्दों में से कौन-सा शब्द हिन्दी शब्दकोश में सबसे अन्त में आएगा?
(A) क्लीव (B) क्रम
(C) कृषक (D) कृशानु

9. ट वर्ग में किस प्रकार के व्यंजन हैं?
(A) कंठ्य (B) तालव्य
(C) मूर्धन्य (D) दन्त्य

10. 'घ' का उच्चारण स्थान कौन–सा है ?
(A) मूर्द्धा (B) कण्ठ
(C) तालु (D) दन्त

11. 'क' का उच्चारण स्थान है–
(A) कण्ठ (B) तालु
(C) मूर्धा (D) दन्त

12. मूर्धन्य व्यंजन है–
(A) च छ ज झ (B) त थ द ध
(C) ट ठ ड ढ ण (D) प फ ब भ

13. 'ञ' वर्ण का उच्चारण स्थान है–
(A) तालु (B) मूर्द्धा
(C) दन्त (D) कंठ–तालव्य

14. निम्न में से कंठ्य–ध्वनियाँ कौन–सी हैं?
(A) ज, ज (B) ट, ण
(C) क, ख (D) य, र

15. 'च, छ, ज, झ, ञ' ये ध्वनियाँ क्या कहलाती हैं?
(A) कंठ्य (B) मूर्धन्य
(C) तालव्य (D) दन्तोष्ठ्य

16. निम्न में से 'महाप्राण' वर्ण कौन से हैं?
(A) क, च (B) ख, घ
(C) त, द (D) य, र

17. निम्नलिखित में कौन–से वर्ण का उच्चारण स्थान तालु नहीं है?
(A) इ (B) द
(C) श (D) य

18. विसर्ग का उच्चारण किसकी भाँति होता है ?
(A) श (B) ष
(C) स (D) ह

19. भिन्न–भिन्न स्वरों के मेल से जो स्वर उत्पन्न होता है ; उसे–
(A) संयुक्त स्वर (B) दीर्घ स्वर
(C) सन्धि स्वर (D) मूल स्वर

20. किस शब्द में 'ऋ' स्वर नहीं है ?
(A) कृपा (B) कृष्ण
(C) दृष्टि (D) रिवाज

21. 'क्ष' वर्ण किन वर्णों के संयोग से बना है ? निम्नांकित विकल्पों में से सही विकल्प की पहचान कीजिए :
(A) क + क्ष (B) क + छ
(C) छ + ह (D) च + प

22. 'ढ' वर्ण किस वर्ग का है ? दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प छाँटिए।
(A) क वर्ग (B) च वर्ग
(C) प वर्ग (D) ट वर्ग

23. अर्थ व्यक्त करने वाली सबसे छोटी इकाई है—
(A) शब्द (B) वाक्य
(C) ध्वनि (D) वर्ण

24. उस मूल ध्वनि को, जिसके खंड न हो सकें–उसे क्या कहते हैं ?
(A) कृदन्त (B) शब्द
(C) प्रत्यय (D) वर्ण

25. उच्चारण स्थान के आधार पर हिन्दी–व्यंजनों को कितने वर्गों में रखा जाता है ? निम्नलिखित में से सही विकल्प को चिह्नित कीजिए–
(A) ग्यारह (B) नौ
(C) सात (D) पाँच

26. भाषा की सबसे छोटी इकाई है—
(A) शब्द (B) मात्रा
(C) वर्ण (D) कोई नहीं

27. अनुनासिक व्यंजन कौन–से होते हैं ?
(A) वर्ग के प्रथमाक्षर
(B) वर्ग का तृतीयाक्षर
(C) वर्ग का चौथा व्यंजन
(D) वर्ग का पंचमाक्षर

28. 'फ' वर्ण का उच्चारण स्थान बताइए–
(A) मूर्धा (B) तालु
(C) कंठ (D) ओष्ठ

उत्तरमाला

1. (A) **2.** (A) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (B)
6. (C) **7.** (A) **8.** (A) **9.** (C) **10.** (B)
11. (A) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (C) **15.** (C)
16. (B) **17.** (B) **18.** (D) **19.** (A) **20.** (D)
21. (A) **22.** (D) **23.** (A) **24.** (D) **25.** (B)
26. (C) **27.** (D) **28.** (D)

❑❑

Chapter 1 Articles

1. Definition

Modern English Grammar में Articles को determiners के अन्तर्गत रखा गया है। Demonstrative Adjectives के समान कार्य करने वाले '**A**', '**An**' तथा '**The**' को Articles कहा जाता है।

2. Kinds of Article

Articles दो प्रकार के होते हैं–

Articles

Definite Article	Indefinite Article
The	A, An

I. 'The' Definite Article कहलाता है क्योंकि यह किसी विशेष व्यक्ति अथवा वस्तु को दर्शाता है।

'The' का प्रयोग Singular Countable Noun, Plural Countable Noun और Uncountable Noun सभी के पूर्व किया जाता है यदि वह निश्चित हो, विशेष हो, या जिसकी चर्चा (carry to back) पहले की जा चुकी है, जैसे–

Examples :
- **The** girl in pink dress is my daughter.
- Neha bought a sari. **The** sari was very beautiful.

II. 'A' और **'An'** Indefinite Articles कहलाते हैं क्योंकि वे कहे गये व्यक्ति अथवा वस्तु को अनिश्चित दर्शाते हैं।

इनका प्रयोग Indefinite Singular Countable Noun के पूर्व किया जाता है।

Examples :
- **A** popular leader died in **an** accident.
- She has **a** toy.

(i) व्यंजन (consonant) से शुरू होने वाले शब्दों (words) के पहले 'a' Article का प्रयोग किया जाता है, जैसे–
- **a** girl
- **a** pen
- **a** child
- **a** woman

(ii) जो शब्द Vowel (स्वर) से शुरू होते हैं लेकिन उनकी ध्वनि Consonant की होती है, तो 'a' Article का प्रयोग किया जाता है।
- **a** union
- **a** one eyed man
- **a** utensil
- **a** universal problem.

(iii) 'an' का प्रयोग उन शब्दों के साथ होता है जो vowel (a, e, i, o, u) की ध्वनि से प्रारम्भ होते हैं, जैसे–
an apple, **an** umbrella, **an** ass, **an** engineer
- **'an'** का प्रयोग 'h' silent वाले शब्दों के साथ होता है, जैसे–
  an hour, **an** heir, **an** honest, **an** hourly visit, **an** heirloom
- 'an' का प्रयोग उन शब्दों के पहले किया जाता है जिनका प्रथम अक्षर consonant है पर ध्वनि vowel की है, जैसे–
  an MLA, **an** LLB student, **an** FIR, **an** MP, **an** X-Ray

3. Use of Indefinite Articles

I. जब किसी वाक्य में दो **Adjectives** अलग-अलग **Nouns** के लिये प्रयुक्त हों, तो **A/An** प्रत्येक **Adjectives** के पूर्व लगाया जाता है।

Examples :
- **An** English and **a** Hindi story.
- **A** black and **a** white cow.
  (Two Cows : One black and other white)

लेकिन जब दो या अधिक **Adjectives** एक ही **Noun** के लिये प्रयुक्त हों, तो **A/An** केवल प्रथम Adjectives के पहले ही लगाया जाता है।

Examples :
- He gave me **a blue and black shirt**.
  (अर्थात् नीले और काले रंग की एक shirt)
- I saw **a black and white cow**.
  (अर्थात् एक गाय देखी जिसका रंग काला और सफेद था)।

II. जब किसी **Countable** Noun के पहले **Such/Many/What** शब्दों का प्रयोग हो, तो इन शब्दों तथा Countable Noun के बीच Indefinite articles **A/An** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- It is **such an** interesting book !
- **What a news** he has brought !
- **Many a man** came to see the show.
- **Many a dog** kept barking in this street.

(i) निम्नलिखित **Phrases** में **'A/An'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- In **a** hurry/rage/mood/temper/dilemma/fix/nutshell.
- go for **a** walk, go into **a** comma, go on **a** journey.
- Make **a** change, make **a** fun of, make **a** noise, make **an** impression, make **a** request, make **a** guest **at**, make **a** fool, make **a** hue and cry.
- Have **a** good/short sleep, have **a** good/bad education, have **a** meal, have **a** smoke, have **a** liking/taste, have **a** drink, have **an** advantages, have **a** talk/ rest/cough/pain/fever/headache.
- Take **a** fancy to, take **an** interest in, take **a** meal, take **a** rest, take **a** vacation.
- Give **a** chance, give **a** jump, give **a** warning, give **an** advantage over.
- As **a** rule, As **a** matter of fact, at **a** stone's throw, at **a** discount, **a** short while ago, at **a** loss, **a** matter of chance. It is **a** shame/surprise/pity/wonder, tell **a** lie, pay **a** visit, half **a** kilo, keep **a** secret, catch **a** cold/catch cold.
- **A** lot of, **A** good deal of, **A** great deal of, **A** large amount of, **A** large quantity of, **A** good many, **A** great many, **A** large number of, **A** great number of, **A** large quantity of, etc.

(ii) यदि कोई व्यक्ति सम्बोधित व्यक्ति के लिए अनजान होता है तो उस व्यक्ति का नाम बताने के लिये या **reference** देने के लिये उस व्यक्ति के नाम के साथ '**A**' का प्रयोग किया जाता है।

Example :
- **A** Mr. Sharma is at the door.

  कोई Mr. Sharma (अर्थात् स्वयं का परिचय Mr. Sharma के नाम से देने वाला कोई अन्जान व्यक्ति) दरवाजे पर है।

III. Special Meal (Celebrate करने के लिये या किसी के सम्मान में दिया गया भोज) के साथ '**A**' का प्रयोग होता है।

Example :
- I called my friends to **a** lunch to celebrate my birthday.

4. 'Use of' : The Definite Article

I. The' का प्रयोग उन nouns से पहले किया जाता है जो एकमात्र (Unique) हैं।

सारे **natural objects** (प्राकृतिक वस्तुयें) और **phenomena** (अद्भुत वस्तु) इसी के अन्तर्गत आते हैं—

The sun, the planets, the solar eclipse, the lunar eclipse.

II. जो पद अपने अधिकार क्षेत्र में एकमात्र हों उनसे पहले भी 'The' का प्रयोग किया जाता है—

The Principal, **The** Prime Minister, **The** king, **The** Editor, **The** captain etc.

III. Superlative से पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है—

She is **the** (Article) **most** beautiful girl of our class
↓ ↓
Adjective Superlative

IV. जब किसी **Singular Countable Noun (Common Noun)** का प्रयोग **Abstract Noun** के अर्थ में किया जाता है, तो उसके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

अर्थात्, जब कोई Noun किसी गुण या भाव को व्यक्त करता है तो उसके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The** judge in him. (✓)
- **The** doctor in him. (✓)
- **The** mother in her. (✓)
- **The** singer in Alok. (✓)
- **The** teacher in me. (✓)

V. नीचे दिये गये **Cases** से पहले निश्चित रूप से **The** का प्रयोग होता है।

(i) Nationality Words : The American, the English, the Indians.

Countries/States with combination of more than one unit: The United kingdom (The U.K.)

The United States of America (The U.S.S.R.)

The Sudan, The Netherlands→↓

(ii) Mountains : The Himalayas, the Vindhyas, the Alps
↓ ↓
Plural **Plural**

जो पहाड़ Singular हो, उसके पहले the का प्रयोग नहीं होता।

Examples :
- Everest/Mount Abu. (✓)
- The Everest/The Mount Abu. (×)

VI. Some Important use of 'The'

(i) River, Sea, Ocean, Bay, Gulf, Canal, Cape, Desert, Train, Aeroplane and Ship आदि के नामों के पूर्व Definite Article का प्रयोग होता है।

(ii) Political Party, Religious Community, Religious Books, Armed Forces, Government Branches, Hotel and Restaurent, Theatre/Club, Museum and Library, Newspapers, Empire, Historical Buildings, Dynasty, Historical Periods/Age व Events के पूर्व 'The Definite' Article का प्रयोग होता है—*e.g.* the Congress party, The Hindus, The Geeta, The Army, The Judiciary, The Grand Hotel, The Apsara, The British museum/library, the Roman Empire, The Taj, The Charminar, The Victorian Age, The Russian Revolution आदि।

(iii) Ordinial Numbers के पहले 'the' का प्रयोग होता है। *e.g.* The third, The sixth etc.

(iv) Adjective का प्रयोग Noun के रूप में होने पर

1. Musical Instrument

2. Parts of body (शरीर के अंग)

3. किसी आविष्कार (Invention) से पहले

4. व्यक्ति के पद से पहले (Designation)

आदि के नामों के पहले प्रयोग किया जाता है। *e.g.*

The rich (rich people)

The poor (poor men)

The dead (all dead people), The deaf, The blind, The handicapped, The old, etc.

The body, the arms. Games/ Sports make the body strong.

The Telephone, The Cinema, The Radio. etc.

The S.P., The Chairman,

The Principal, The Editor.

(v) Comparative degree के प्रयोग से पहले।
- जब इसे Adverb के रूप में Use किया जाये : The higher you go, the cooler it is.
- जब इससे Selection का बोध हो : Ram is the fatter one out of the present boys.
- जब इससे Contrast का बोध हो : He is wiser of the two.

(vi) 'The' का प्रयोग **Surnames** (उपनामों) के पहले किया जाता है जब वे पूरे परिवार या पति और पत्नी को इंगित करने के लिए बहुवचन में प्रयोग किये जाते हैं। e.g

I was invited by the Reddys, the Birlas, the Tatas.

(vii) जब किसी वाक्य की बनावट Noun + of + Noun हो तो प्रथम Noun के पहले The का प्रयोग किया जाता है। e.g
- **The** girls of this class are intelligent.
- **The** people of Kerala are in trouble.

5. Omission of Articles

वे स्थितियाँ जहाँ Articles का प्रयोग नहीं किया जाता है, निम्नलिखित हैं–

I. किसी भाषा **(Language),** रंग **(Colour)** तथा विषय **(Subject)** या Home के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- I can speak English and Hindi both.
- Apples are red.
- He is good at Mathematics.
- I reached home at 7 pm.

II. दिनों **(Days),** महीनों **(Months),** त्योहारों **(Festivals)** के नामों के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- They came here on Monday.
- She will go to Agra in May.

III. व्यक्तिवाचक संज्ञा **(Proper Noun),** द्रव्यवाचक संज्ञा **(Material Noun)** तथा भाववाचक संज्ञा **(Abstract Noun)** के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- We drink **water.**
- **Honesty** is the best policy.
- **Virtue** has its own reward. } Abstract Noun
- Shakespeare was a great poet.
- She lives in Agra.

परन्तु, जब इन Nouns को **Definite** करना होता है तो इनके पहले **'The'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The gold** of Alok's ring is not pure.
- Where is **the milk** Suman has bought ?
- We should appreciate **the honesty** of Chandan.

IV. किसी खेल **(Game & Sports)** तथा hobbies के नाम के पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- We like **a** cricket. (×)
- I used to play **a** football. (×)
- She plays **the** tennis. (×)

V. कुछ Nouns के पहले Article का प्रयोग उस स्थिति में नहीं किया जाता है, जब वहाँ का उद्देश्य वही हो, जिसके लिये इसका निर्माण किया गया है। ऐसे Nouns निम्नलिखित हैं–

School, College, University, Bed, Church, Mosque, Jail, Temple, Court, Hospital, Market.

Examples :
- Children go to **the** school at 10 A.M. (×)
  (for the purpose of study)
- She goes to **the** temple at 5 P.M. (×)
  (for the purpose of prayer)
- The injured persons were sent to **the** hospital. (×)
  (for treatments)

परन्तु यदि इन स्थानों पर जाने का उद्देश्य कोई दूसरा हो, तो इनके पहले 'The' का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The** college is near competition success. (✓)
- I found her near **the** church. (✓)

NOTE

Office, Cinema, Movie, Picture, Station, Bus stop, Circus etc. के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है।

VI. भोजन (खाने) के नामों **(Names of meals)** के पहले सामान्यतया Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :
- I had **a** lunch at 2 P.M. (×)
- He couldn't have **the** breakfast today. (×)

परन्तु यदि इनके पहले कोई **Adjective** का प्रयोग किया गया हो, तो उसके पहले **'A/An'** का प्रयोग किया जाता है और यदि इसको **Particular reference** किया गया हो, तो उसके पहले **'The'** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- We had **a delicious breakfast** yesterday morning. (✓)
- **The** dinner hosted by Yogita was superb. (✓)

VII. यदि दिन और रात के हिस्सों **(Parts of the day and night)** के पहले **at, before, after, by** का प्रयोग किया गया हो, तो उनके पहले **Article** का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Parts of the Day & Night :

Down, daybreak, sunrise, noon, evening, dusk, twiling, night, midnight.

Examples :
- They came to me at night. (✓)
- The students met me before evening. (✓)
- I met him at **the** dawn. (×)
  I met him at dawn. (✓)

NOTE

before, after, at sunrise अथवा Sunset के साथ Article का प्रयोग नहीं किया जा सकता है, जैसे–
- We visited the zoo after sunset.
- You have to reach here before sunrise.

VIII. Health, homework, work, paper (कागज), mercy, pity, news, pay, safety, soap, travel, weather **Uncountable Nouns** के अन्तर्गत आते हैं। अतः इनके पहले **a/an** का प्रयोग कभी नहीं किया जाता है। जबकि answer, boat, salary, journey, climate, paper (समाचार-पत्र) holiday, hour, lesson, morning, historian, rest, city **Countable Nouns** के अन्तर्गत आते हैं। अतः इनके पहले **a/an** का प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- Ram wants to become **a** historian.
- They got into **a** boat.
- I must give **an** answer to the question.

Examples :

- You should take (have) a rest for **an** hour.
- Everybody needs **a** holiday.
- Deepak went out on such **a** cold morning.
- It was bad weather.
- It was **a** bad climate.
- Everyone likes **a** comfortable journey.
- Everyone likes comfortable travel.
- Your father gets **a** good salary.

IX. **Radio** और **wireless** के प्रयोग से पहले **'the'** लगाया जाता है परन्तु इसी प्रकार के संचार-माध्यम 'telephone' से पहले 'by' लगाने पर 'the' का use वर्जित हो जाता है।

Examples :

- I received a missed on **the** wireless. (✓)
- I use to hear F.M. on **the** radio. (✓)
- I talked to her by **the** telephone. (×)
- I talked to her by telephone. (✓)

X. **Kind of, sort of, type of** के बाद आने वाले Noun के पहले Article का प्रयोग नहीं होता है।

Examples :

- What **kind** of dress do you like ?
- I don't like this **sort** of man.

NOTE

जब kind of, sort of, type of से विशेष गुण/योग्यता (quality, capacity or qualification) का बोध होता है, या वाक्य interrogative हो तब इसके बाद आने वाले Noun के साथ a/an अवश्य प्रयोग होता है, जैसे–

- What kind of an artist is he ?
- What sort of a book is this ?

XI. जब किसी Noun के पहले Possessive Adjective (my/our/your/his/her etc.) और Demonstratives Adjective (this/that/these/those etc.) का प्रयोग हो तो उस Noun के पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

Examples :

- This is my book. (✓)
- This is a my book. (×)
- I like this car. (✓)
- I like the this car. (×)

6. Use of Some Important Determiners

I. Some, any
II. Older, elder
III. Few, a few, the few
IV. Little, a little, the little
V. Much, many
VI. All, whole
VII. Less, fewer
VIII. Each, every
IX. Either, neither
X. Many, many a, great many
XI. Enough

Usage

I. Some/Any

(i) Some को use किया जाता है।

- Countable nouns के साथ जहाँ उसका अर्थ है थोड़ा या थोड़ी मात्रा में (a little, a small quantity.)
- ऐसे Questions में जिनमें request show होती है। *e.g.*
- Do you have **some** water ?
- Will you buy **some** fruit from me ?

Some का use affirmative sentence में किया जाता पर इसे negative nature के Question में use किया जा सकता है।

Examples :

- Can't you spare **some** time for my job ?
- Haven't I given you **some** money for shopping purpose ?

(ii) 'Any' used किया जाता है–

- Negative sentence में *e.g.*
  There isn't **any** sugar in kitchen.
- Interrogative sentence में *e.g.*
  Are there **any** students in the class ?
- 'Hardly', 'Scarcely' and 'barely' After 'hardly', and 'barely', के साथ *e.g.*
  I have **hardly any** money.
- After 'if'
  If you have **any** problem, please tell me.

II. Older, Elder

(i) **Older** (and oldest) के साथ persons, animals and things का प्रयोग किया जाता है।

Examples :

- You are **older** than me.
- This building is **older** than that one.
- My father is the **oldest** member of the club.
- I have seen the **oldest** playground of Asia.

NOTE

Older (and oldest) refers to the persons who do not belong to the same family.

(ii) **Elder** (and eldest) का प्रयोग एक ही family members के साथ किया जाता है, परन्तु इसका प्रयोग किसी वस्तु के साथ नहीं किया जाता।

Examples :

- My **elder** brother is a doctor.
- I am the **eldest of** all my brothers.

'Elder' and 'Older' is not followed by, 'than'. In some cases, it may be followed by 'to'

Example :

- She is **older/elder** to me.

III. Few, A few, The few

(i) **few** कुछ की : few negative है और Many का विपरीत है। अर्थात् इसके साथ plural noun का प्रयोग होता है।

Example :
- We get **few** holidays in winter.

(ii) **A few** कुछ : a few क्रम का Positive है। इसका अर्थ है थोड़ी सी

Examples :
- Only **a few** boys passed the test.
- He returned from America after **a few** days.

(iii) **The few** जो कुछ बचा है सब कुछ (पर्याप्त) : "The few" दो Statements प्रदर्शित करता है।

- नकारात्मक - सकारात्मक। इसका अर्थ है :
- अधिक नहीं परन्तु - जितने भी हैं

Examples :
- He lost **the few** books that he borrowed from me.
- **The few** poems that he wrote, are very popular.

IV. Little, A little, The little

(i) **Little** : Little negative है। इसका अर्थ है कुछ नहीं और 'न' के बराबर

Example :
- There is **little** hope of his success.

(ii) **A little** : a little 'सकारात्मक' है। इसका अर्थ है थोड़ी–सी मात्रा

Examples :
- **A little** knowledge is a dangerous thing.
- Please get me **a little** of it.
- Will you stay here **a little** longer ?

(iii) **The little** : 'मात्रा को दिखाता है। इसका अर्थ है जो कुछ थोड़ा' (पर्याप्त)

Examples :
- **The little** money I had was spent by me in purchasing this medicine.
- His **the little** knowledge of swimming saved him today.

NOTE

Few और little, a few, a little तथा the few और the little के अर्थ में अन्तर नहीं है, क्योंकि इनसे क्रमशः 'कुछ नहीं, कुछ तथा जो कुछ थोड़ा' का बोध होता है, Grammar की दृष्टि से इनमें अन्तर यह है कि few/a few/the few के साथ Plural Countable Noun का प्रयोग होता है तथा little/a little/the little के साथ Singular Uncountable Noun का। जैसे–

- I have less friends and fewer milk than Ram.

यहाँ less के बदले fewer और fewer के बदले less का प्रयोग होना चाहिए।

V. Much, Many, Many a, a great many

(i) **Much :** मात्रा को दर्शाता है।

Example :
- There is not **much** sugar in the pot.

(ii) **Many :** संख्या दर्शाता है।

Examples :
- **Many** ladies were standing in the queue.
- I have **many** frocks for you.

(iii) **Many a**–इसके साथ 'Singular noun' और 'Singular verb' का प्रयोग होता है। इसका अर्थ है कई बार 'एक व्यक्ति' या 'एक वस्तु' कई बार एक अतिथि बिना dinner किये चला जाता है। (अर्थात् बहुत सारे अतिथियों में से एक अतिथि)

Examples :
- **Many a** guest was returning without taking dinner.

- **A great many**—इसका प्रयोग many के समान होता है। बहुत से लोगों ने show का आनन्द उठाया।

Examples :
- **A great many** people enjoyed the show.

VI. All, The whole

(i) **All** : all बहुत सी चीजों को एक साथ दिखाता है।

Example :
- **All** men are mortal.
- **All** the boys were making a noise.

(ii) **'The whole'** : इसका proper noun से पहले प्रयोग किया जाता है।

Examples :
- **The whole** of the country paid homage to the soldiers died in Kargil and Drass etc.

VII. Each, Every

(i) **'Each'** का प्रयोग दो व्यक्तियों या वस्तु में से किसी एक के लिये किया जाता है।

Examples :
- **Each** man should do exercise to stay fit.
- **Each** boy of the class received gifts on the eve of Children's Day.
- There were two racing cycles. That cost Rs. three hundred **each**.

(ii) **Every :** Every का प्रयोग बहुत से व्यक्तियों या वस्तुओं के एकवचन के लिये प्रयोग होता है।

Examples :
- He goes for morning walk **every** day.
- **Every** man dies in this world.

VIII. Either, Neither

(i) **Either :** 'Either' means one of the two or both.

'Either' का अर्थ है दोनों में से एक या दोनों

Examples :
- There are shady trees on **either** sides of the road.
- You have to choose one book : **either** this one or that one.
- He can write with **either** hand. (both)

(ii) Neither : 'Neither' is the negative of 'either.' 'Neither' 'either' का विपरीत है।

Examples :
- I can speak on **neither** side.
- **Neither** you nor he did the work.
- **Neither** of the two books is cheap.

IX. Enough

'Enough' का प्रयोग हम एकवचन या बहुवचन दोनों में ही करते हैं। यह पर्याप्त का sense दिखाता है।

Examples :
- I have **enough** money to buy all the books.
- You have **enough** time to think over it.
- There are **enough** fruits in the basket.

जब इसका use noun से पहले और adjective के बाद होता है। तब यह 'इतना अधिक' का sense दिखाता है।

Examples :
- He is stupid **enough** to believe all.
- I am tired **enough** to have a sound sleep.

Important Questions

Direction (Q. No. 1 to 15)

Fill in the blanks by choosing the appropriate articles :

1. Ritu is ..... most active girl in ..... family.
(A) the, a (B) the, the
(C) a, the (D) a, a

2. '.....sun rises in ..... east.'
(A) A, the (B) The, the
(C) The, a (D) An, a

3. Honesty is ..... best policy.
(A) an (B) the
(C) a (D) none of them

4. Every country has ..... parliament.
(A) the (B) an
(C) a (D) None of these

5. He is ..... honour to his country.
(A) an
(B) a
(C) the
(D) all are correct

6. The children found ..... egg in the nest.
(A) an (B) the
(C) a (D) all are correct

7. English is ..... easy language.
(A) a (B) the
(C) an (D) none of them

8. ..... sun shines brightly.
(A) A (B) An
(C) The (D) None of them

9. English is ..... language of ..... people of England.
(A) an, a (B) a, the
(C) the, an (D) an, the

10. Rohit is ..... untidy boy.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

11. He is ..... university student.
(A) a (B) an
(C) the (D) all are correct

12. He reads in ..... H.E. School.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

13. Akshay is ..... open-minded man.
(A) a (B) an
(C) the (D) none of them

14. ..... Ganga is ..... holiest river of India.
(A) A, an (B) The, an
(C) The, the (D) An, the

15. Tajmahal is built of ..... marble.
(A) an (B) a
(C) the (D) no article

Direction (Q. No. 16 to 25)

Choose the correct alternative and fill in the blanks in the following sentences

16. ..... knowledge is a dangerous thing.
(A) little (B) A little
(C) few (D) A few

17. Has he ..... friends in the town ?
(A) much (B) many
(C) little (D) none

18. ..... man has died at sea.
(A) Many (B) Many a
(C) A many (D) None

19. She is ..... hungry.
(A) much (B) too much
(C) very (D) none

20. ..... knowledge of garment-industry proved very helpful to me.
(A) The little (B) Little
(C) A little (D) Smaller

21. He is contented and thus happy because he has ..... cases.
(A) few (B) a few
(C) the few (D) fewer

22. She found a few good cards in a shop and she bought ..... cards last night.
(A) those (B) that
(C) them (D) this

23. All teachers agree that Paresh is the ..... intelligent boy in his class.
(A) more (B) most
(C) mery (D) only

24. She needs ..... more money to buy a new car.
(A) the little (B) little
(C) a little (D) none of these

25. Everybody should obey ..... elders.
(A) its (B) his
(C) this (D) none of these

Answer Key

1. (B) **2.** (B) **3.** (B) **4.** (C) **5.** (A)
6. (A) **7.** (C) **8.** (C) **9.** (B) **10.** (A)
11. (A) **12.** (A) **13.** (B) **14.** (C) **15.** (D)
16. (B) **17.** (B) **18.** (B) **19.** (C) **20.** (A)
21. (A) **22.** (A) **23.** (B) **24.** (C) **25.** (B)